वैशाख कृष्ण अमावस्या, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 281 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल
17 अप्रैल 2026 शुक्रवार

आज का मौसम
40.5 अधिकतम
24.0 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

लोकसभा में चर्चा जारी, शाम 4 बजे होगी वोटिंग

महिला आरक्षण पर सरकार के सामने नंबर गेम की चुनौती

देर रात लागू हुआ 2023 में पारित कानून, अब इसी में संशोधन की कवायद

नईदिल्ली. एजेंसी

लोकसभा में महिला आरक्षण को लागू करने और सीटों के परिसीमन के लिए तीन संशोधित बिलों पर आज लोकसभा में दूसरे दिन चर्चा जारी है। इस बीच सरकार ने गुरुवार देर रात महिलाओं को संसद में 33 प्रतिशत आरक्षण देने वाला 'महिला आरक्षण अधिनियम-2023' लागू कर दिया। नोटिफिकेशन के मुताबिक, यह कानून 16 अप्रैल 2026 से लागू हो गया है। इसे सितंबर 2023 में संसद के विशेष सत्र के दौरान पारित किया गया था। इसका मतलब है कि संसद में मौजूदा तीनों बिल पास न हों, तो भी लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों पर महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। लोकसभा में चर्चा के बाद शाम 4 बजे वोटिंग होगी।

विपक्ष का आरोप है कि जब संसद में महिला आरक्षण संशोधन अधिनियम पर चर्चा हो रही है, तो कानून को इतनी जल्दी क्यों लागू किया गया। चर्चा में हिस्सा लेते हुए कल्याण बनर्जी ने कहा- केंद्र सरकार महिला आरक्षण में संशोधन से जुड़ा बिल लेकर आई है। लेकिन जब कानून लागू नहीं हुआ तो उसमें कैसा संशोधन। इसीलिए देर रात में इन्होंने 2023 में पारित महिला आरक्षण कानून को लागू करने के लिए नोटिफिकेशन जारी किया। हालांकि नोटिफिकेशन में साफ

किया गया है कि सरकार को कानून लागू होने की तारीख तय करने का अधिकार है। राहुल गांधी दोपहर 3 बजे बोलेंगे, फिर अमित शाह जवाब देंगे। इस बीच विपक्ष की संसद परिसर में बैठक हो रही है। इसमें खड़गे, राहुल समेत कई नेता मौजूद हैं।

क्या होगी आगे की राह : यदि यह विधेयक लोकसभा में पारित नहीं होता है, तो इसे राज्यसभा में पेश ही नहीं किया जाएगा। वहीं राज्यसभा में भी एनडीए के पास 141 सदस्य हैं, जो कुल संख्या का लगभग 58 प्रतिशत है, जबकि विपक्ष के पास 83 सदस्य हैं। यहां भी दो-तिहाई बहुमत के लिए 163 सांसदों के समर्थन की आवश्यकता होगी, जिसके लिए बीजेडी, वाईएसआरसीपी, बीएसपी और निर्दलीय सांसदों का रुख निर्णायक साबित हो सकता है।

सभी 540 सदस्य उपस्थित रहें तो जरूरी आंकड़ा होगा 360

लोकसभा में महिला आरक्षण से जुड़े विधेयकों को पारित कराने के लिए सत्तारूढ़ एनडीए के सामने संख्या बल की बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। मौजूदा स्थिति में एनडीए के पास लोकसभा में आवश्यक दो तिहाई बहुमत नहीं है, जिससे इस अहम संवैधानिक संशोधन बिल को पास कराना विपक्ष के सहयोग या अनुपस्थिति (एब्सटेंशन) पर निर्भर हो गया है। लोकसभा में एनडीए के पास कुल 293 सांसद हैं, जो सदन का करीब 54 प्रतिशत है, जबकि विपक्ष के पास 233 सांसद हैं। इसके अलावा कुछ निर्दलीय और छोटे दलों के सदस्य भी हैं, जिनकी भूमिका इस पूरे गणित में निर्णायक बन सकती है। यदि सभी 540 सदस्य उपस्थित रहते हैं, तो जरूरी आंकड़ा 360 तक पहुंच जाता है। ऐसे में एनडीए को या तो विपक्षी दलों का समर्थन जुटाना होगा या फिर बड़ी संख्या में विपक्षी सांसदों को मतदान से दूर रखना होगा। उदाहरण के तौर पर यदि 30 सांसद मतदान से अनुपस्थित रहते हैं, तो कुल संख्या घटकर 510 हो जाएगी और दो तिहाई बहुमत 340 रह जाएगा। इसी तरह 60 सांसदों के अनुपस्थित रहने पर यह आंकड़ा 320 और 90 सांसदों के अनुपस्थित रहने पर 300 तक आ सकता है।

दावे -दर-दावे... नए दौर की बातचीत अभी भी अधर में

ईरान यूरेनियम सौंपने को तैयार : ट्रम्प

हवाई किले बना रहा यूएस - ईरानी मीडिया

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी. एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया है कि ईरान अपने एनरिच्ड (संवर्धित) यूरेनियम का भंडार अमेरिका को सौंपने के लिए तैयार हो गया है। अमेरिका का मानना है कि इसका इस्तेमाल परमाणु हथियार बनाने में हो सकता है। उन्होंने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से यह भी कहा कि दोनों देश शांति समझौते के काफी करीब हैं। उन्होंने कहा कि बातचीत अच्छी चल रही है और समझौते की संभावना काफी ज्यादा है। हालांकि ईरानी मीडिया ने ट्रम्प के दावे को गलत बताया है और कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति हवाई किले बना रहे हैं।

मिडिल ईस्ट में चल रहे युद्ध को खत्म करने की कोशिशों के बीच सभी पक्षों की और से विरोधाभासी दावे हो रहे हैं। इसी कड़ी में ईरान ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के उस दावे को खारिज कर दिया है जिसमें उन्होंने कहा था कि तेहरान अपने समृद्ध यूरेनियम का स्टॉक अमेरिका को सौंपने पर राजी हो गया है। ईरानी सूत्रों ने साफ कहा कि ऐसा कोई समझौता नहीं हुआ है और यह 'झूठा दावा' है। संसद स्पीकर मोहम्मद बाकर गालिबाफ के करीबी सूत्र ने भी कहा कि किसी भी तरह के परमाणु सामग्री ट्रांसफर पर बातचीत नहीं हुई। ट्रम्प ने दावा किया था कि दोनों देश डील के करीब पहुंच गए हैं और ईरान 'न्यूक्लियर डस्ट' सौंपने को तैयार है। ट्रम्प ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि अगर यह डील हो जाती है तो तेल की सप्लाई शुरू हो जाएगी, होर्मुज स्ट्रेट खुला रहेगा और हालात सामान्य हो जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि अगर समझौता इस्लामाबाद में होता है तो मैं पाकिस्तान की यात्रा भी कर सकता हूं।

अमेरिकी दावों के उलट ईरान ने बातचीत को लेकर अपना रुख और सख्त कर लिया है, जिससे पाकिस्तान की मध्यस्थता की कोशिशों को बड़ा झटका लगा है। आसिम मुनीर के तेहरान दौरे के बाद ईरान ने साफ संकेत दिया है कि अब बिना ठोस फ्रेमवर्क के कोई भी नई बातचीत बेकार होगी। ईरानी न्यूज एजेंसी तस्नीम के मुताबिक, तेहरान ने कहा कि अमेरिका को पहले अपने वादे पूरे करने होंगे और अपनी 'अत्यधिक मांगों' को वापस लेना होगा।

अंदर खास

राजेश सिरोठिया का वॉर एनालिसिस - पेज 8

गुजरात-कोलकता, समय : शाम 7.30 बजे

न्यूज विंडो

कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा के ठिकानों पर ईडी की दबिश

लुधियाना। पंजाब के मंत्री संजीव अरोड़ा के आवास समेत विभिन्न ठिकानों पर आज तड़के ईडी की टीमों ने एक साथ छापेमारी की। लुधियाना स्थित उनके निवास पर केंद्रीय सुरक्षा बलों की कड़ी निगरानी के बीच जांच एजेंसी के अधिकारी दस्तावेजों को खंगालने में जुटे हैं। सूत्रों के हवाले से खबर है कि यह पूरी कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग और जमीन सौदों से जुड़ी कथित अनियमितताओं के पुराने मामलों को लेकर की जा रही है। ईडी की जांच केवल लुधियाना तक सीमित नहीं है, बल्कि बताया जा रहा है कि मंत्री से जुड़े अन्य ठिकानों पर भी एक साथ दबिश दी गई है।

टीएमसी विधायक के घर और दफ्तर पर छापेमारी

कोलकाता। कोलकाता में चुनाव से ठीक पहले तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के विधायक देबाशीष कुमार के ठिकानों पर आयकर विभाग की कार्रवाई ने सियासी माहौल गरमा दिया है। सुबह करीब छह बजे इनकम टैक्स की टीम ने दक्षिण कोलकाता के मनोहरपुकुर रोड स्थित उनके घर और उनके चुनावी दफ्तर पर एक साथ छापेमारी शुरू की। फिलहाल इस कार्रवाई की वजह स्पष्ट नहीं बताई गई है। बताया जा रहा है कि देबाशीष कुमार हाल ही में एक जमीन घोटाले के मामले में ईडी की जांच के दायरे में भी रहे हैं। उन्हें कई बार पूछताछ के लिए बुलाया गया था और उन्होंने एजेंसी के सामने पेश होकर जवाब भी दिए थे। जांच एजेंसियां यह पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि क्या उनका कारोबारी अमित गांगोपाध्याय के साथ कोई वित्तीय लेन-देन रहा है।

आज का कार्टून

पर्सनल लॉ पर सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी

यूनिफॉर्म सिविल कोड एक संवैधानिक लक्ष्य है , धर्म से कोई लेना-देना नहीं

नईदिल्ली, एजेंसी

भारत के चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने समान नागरिक संहिता (यूनिफॉर्म सिविल कोड) को लेकर एक बार फिर से संवैधानिक वास्तविकता और सुप्रीम कोर्ट का इसको लेकर नजरिया साफ कर दिया है। सीजेआई के मुताबिक यूनिफॉर्म सिविल कोड संविधान का लक्ष्य है और इसका किसी भी धर्म से कोई मतलब नहीं है। सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस विपुल पंचोली की बेंच संविधान के आर्टिकल 32 के तहत मुस्लिम पर्सनल लॉ को मुस्लिम महिलाओं के विरासत के अधिकारों के प्रति भेदभावपूर्ण बताने वाली एक रिट याचिका पर सुनवाई कर रही है।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकील प्रशांत भूषण ने एक टिप्पणी की तो सीजेआई सूर्यकांत ने समान आचार संहिता को लेकर संवैधानिक भावनाओं को फिर से साफ कर दिया। दरअसल, प्रशांत भूषण यह दलील दे रहे थे कि आदर्श तौर पर एक ऐसा यूनिफॉर्म सिविल कोड होना चाहिए, जो सभी धर्मों की विरासत के अधिकारों को नियंत्रित करे। लेकिन, मुसलमानों के मन में एक डर है कि प्रस्तावित यूनिफॉर्म सिविल कोड के माध्यम से हिंदू सिविल कोड थोपा जा सकता है। सुनवाई के दौरान जस्टिस

जॉयमाल्य बागची ने भी अप्रत्यक्ष रूप से यूसीसी का जिक्र करते हुए कहा- जवाब संविधान में मौजूद है, लेकिन सवाल ये है कि समाज कितना तैयार है? जस्टिस बागची ने आगे कहा, एक वैज्ञानिक, तर्कसगत और मानवतावादी नजरिया विकसित हो, जैसा कि मौलिक कर्तव्यों में शामिल है। इस पर प्रशांत भूषण बोल पड़े, दुर्भाग्य से हम विपरीत दिशा में जा रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने अब इस मामले में नोटिस जारी कर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है।

ऐसा पहली बार... मनोनीत सांसद हरिवंश निर्विरोध बने उपसभापति

भोपाल, दोपहर मेट्रो

वरिष्ठ पत्रकार से राजनेता बने हरिवंश नारायण सिंह ने आज एक नया इतिहास रच दिया है। उच्च सदन (राज्यसभा) के उपसभापति पद के लिए उन्हें लगातार तीसरी बार निर्विरोध चुन लिया गया है। विपक्षी खेमे द्वारा इस पद के लिए कोई उम्मीदवार न उतारे जाने के कारण उनका निर्विरोध निर्वाचन तय हो गया था, जिसकी आज सुबह 11 बजे औपचारिक घोषणा कर दी गई। भारत के संसदीय इतिहास में पहली बार है जब कोई मनोनीत सांसद राज्यसभा के उपसभापति के लिए चुना गया है। राज्यसभा के उपसभापति चुनाव के लिए नामांकन की समय-सीमा गुरुवार को दोपहर 12 बजे समाप्त हो गई थी। इस पद के लिए केवल राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की ओर से ही हरिवंश के नाम के प्रस्ताव आए। राज्यसभा में सदन के नेता जेपी नड्डा ने हरिवंश के नाम का पहला प्रस्ताव पेश किया, जिसका समर्थन सांसद एस. फांगनोन कोन्याक ने किया। उनके समर्थन में राज्यसभा सचिवालय को 5 प्रस्ताव मिले, जिनमें भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के प्रस्ताव शामिल थे।

सक्ती पॉवर प्लांट ब्लास्ट में 20 की मौत का मामला

वेदांता के मालिक अनिल अग्रवाल सहित 8 के खिलाफ एफआईआर

रायपुर, दोपहर मेट्रो

छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में वेदांता पावर प्लांट ब्लास्ट केस में पुलिस ने बड़ा एक्शन लिया है। सक्ती के एसपी प्रफुल्ल ठाकुर ने बताया कि पुलिस ने वेदांता रिसोर्सेज लिमिटेड के संस्थापक एवं चेयरमैन अनिल अग्रवाल, कंपनी मैनेजर देवेंद्र पटेल समेत 8 के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है। प्लांट हेड देवेंद्र पटेल के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है। इस हादसे में अब तक 20 मजदूरों की मौत हो चुकी है। ठाकुर ने बताया कि डभरा पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता की धारा 106 (लापरवाही से मौत का कारण बनना), 289 (मशीनरी के संबंध में लापरवाही भरा आचरण) और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया है। एसपी ने कहा कि एफआईआर में वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल सहित आठ से दस लोगों के नाम शामिल हैं। अगर जांच के दौरान और लोग भी ज़िम्मेदार पाए जाते हैं तो उनके नाम भी इसमें जोड़ दिए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने किया 'एकात्म पर्व' का शुभारंभ

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आदि गुरु शंकराचार्य की पावन दीक्षा स्थली ओंकारेश्वर में आज 'एकात्म पर्व' का विधिवत शुभारंभ किया। उन्होंने शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती को अंगवस्त्र, पुष्पमाला एवं आदि गुरु शंकराचार्य की प्रतिमा भेंट की।

महिला नुमाइंदों के बिना हमारी संसद और विधानसभाओं की तस्वीर अधूरी

नारी शक्ति से राष्ट्र शक्ति... संसद में होगी आधी आबादी की मजबूत दस्तक

महिला सशक्तिकरण की दिशा में इसे नरेंद्र मोदी सरकार का एक और ऐतिहासिक कदम कहा जा सकता है। संविधान में106 वें संशोधन के जरिए 2023 के अधिनियम में प्रस्तावित बदलाव सिर्फ कानूनी प्रक्रिया तक सीमित नहीं है। यह देश की लोकतांत्रिक सोच में एक सकारात्मक परिवर्तन का संकेत है। इस लंबे समय से लंबित विषय को नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में निर्णायक रूप से आगे बढ़ाया गया है। अब यह स्पष्ट दिख रहा है कि सरकार इसे केवल कागजों तक सीमित नहीं रखना चाहती। इसे 2029 के आम चुनाव तक जमीन पर उतारने के लिए गंभीर प्रयास कर रही है। पीछे मुड़कर देखें, तो महिला आरक्षण का सफर आसान नहीं रहा। पहली बार यह विधेयक 1996 में संसद में प्रस्तुत किया गया, लेकिन सहमति के अभाव में पारित नहीं हो सका। इसके बाद 1998 और 1999 में भी इसे दोबारा लाया गया, पर हर बार लोकसभा के भंग होने के कारण यह अधूरा रह गया। वर्ष 2008 में इसे फिर से पेश किया गया और 2010 में राज्यसभा में पारित भी हुआ, लेकिन लोकसभा में पास नहीं हो सका। मोदी सरकार ने 2023 में इसे इसे राष्ट्रीय प्राथमिकता के बतौर नए रूप में पेश करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया। महिला नुमाइंदों के बिना आज भी संसद और विधानसभाओं की तस्वीर अधूरी है। 2024 के लोकसभा चुनाव में केवल 74 महिलाएं सांसद बनकर पहुंचीं, जो कुल संख्या का लगभग 13.6 फीसदी है। आधी आबादी का यही अंतर इस नए कानून के तहत पाटने की कवायद है। अब और इंतजार नहीं, बल्कि इसको अमलीजामा पहुंचाना है। पहले इस कानून को जनगणना और परिसीमन से जोड़ा गया लेकिन इसमें आशंका थी कई सालों के विलंब की। इस संदर्भ में 16 अप्रैल 2026 का विशेष महत्व है, जब इस विषय को आगे बढ़ाने और आवश्यक संशोधनों पर चर्चा के लिए इसे पुनः संसद में प्रस्तुत किया गया। यह तिथि नारी सशक्तिकरण की दिशा में एक निर्णायक पड़ाव बन सकती है। इसी क्रम में एक और महत्वपूर्ण पहल सामने आई है। वह है लोकसभा की सीटों में वृद्धि। वर्तमान में 543 सीटों वाली लोकसभा को बढ़ाकर लगभग 800 से अधिक (लगभग 816) करने का प्रस्ताव। इसका उद्देश्य बेहद संतुलित है कि महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देते समय पुरुषों के प्रतिनिधित्व में कमी न आए। महिलाओं की भागीदारी अतिरिक्त रूप से जुड़े। इसमें किसी का हिस्सा घटाने के बजाय सभी को साथ लेकर आगे बढ़ने का प्रयास है। वैश्विक स्तर पर देखें तो संसदों में महिलाओं की औसत भागीदारी लगभग 27 फीसदी है। जबकि भारत अभी भी इससे काफी पीछे है। ऐसे में यह कदम भारत की वैश्विक छवि को मजबूती देगा। जब महिलाएं नेतृत्व संभालती हैं तो शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दे प्राथमिकता बनते हैं। यह बदलाव केवल नीतियों में नहीं, बल्कि समाज की सोच में भी दिखाई देगा। आर्थिक दृष्टि से भी यह सुधार महत्वपूर्ण है।

डॉ. सोनल मेहता

आगे कुछ चुनौतियां भी...

महिलाओं की बढ़ती भागीदारी से कार्यबल मजबूत होगा, संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा और देश की अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। हालांकि, कुछ चुनौतियां भी सामने हैं। सीटों के रोटेशन से विकास कार्यों की निरंतरता प्रभावित हो सकती है। साथ ही, कुछ लोगों को प्रतिस्पर्धा पर प्रभाव और सामाजिक असंतोष की चिंता भी है। प्रॉक्सी प्रतिनिधित्व की आशंका भी पैदा होती है। लेकिन अनुभवों का तकाजा यही कहता है कि समय के साथ महिलाएं अपनी स्वतंत्र पहचान बना लेती हैं। सरकार का दृष्टिकोण इस कानून को प्रभावी और न्यायपूर्ण तरीके से लागू करने का है । आगे की राह इस पहल को सफल बनाने के लिए सभी दलों के सहयोग और स्पष्ट नीति पर निर्भर है । जब नारी सशक्त होगी, तभी राष्ट्र सशक्त होगा। यह कदम उसी दिशा में एक ऐतिहासिक शुरुआत है,जिसके लिए मोदी सरकार बधाई की पात्र है।

हो रही सर्वे में देरी... डेटा मिसमैच होने पर दोबारा हो रहा सत्यापन

सैटेलाइट सर्वे में उलझा किसानों का पंजीयन मंडी के बजाय लगा रहे तहसीलों के चक्कर

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मप्र के किसान गेहूं बेचने के लिए मंडी के बजाय तहसीलों के चक्कर लगा रहे हैं। ये वे किसान हैं, जिनके खेतों का सेटेलाइट सर्वे होना है। यह जिम्मा राजस्व विभाग का है। पटवारी, आरआई को निर्देश दिए जा चुके हैं कि वे सर्वे पूरा कर लें, लेकिन सर्वे करने में लगातार देरी की जा रही है। यदि जरा सा भी डेटा मिसमैच हो रहा है तो वह पुनर्सत्यापन में चला जाता है। सर्वे पूरा नहीं होने के कारण किसान पंजीयन के लिए जाते हैं तो उसका पंजीयन नहीं हो पा रहा है। मप्र के 55 जिलों में ऐसे करीब 3 लाख किसान हैं।

किसानों ने बताया कि तहसील में जवाब दिया जाता है कि पुनरीक्षण होना है, इसलिए अटका है। सेटेलाइट सर्वे में वे किसान उलझे हुए हैं, जिनके पास दो एक? से अधिक जमीन है। इस मामले में खाद्य विभाग से जानकारी ली तो पता चला कि मप्र में कलेक्टरों की जांच में

करीब 45 हजार खसरे ऐसे सामने आए हैं, जिनमें कोई निर्माण हो चुका है। मंदिर है, मकान हैं या अन्य कोई शेड है। वहीं ऐसे भी खसरे सामने आए हैं, जिनमें नदी, तालाब आ चुके हैं। ऐसे खसरों का पुर्नसत्यापन कराया जा रहा है। इसलिए सर्वे में देरी हो रही है। हालांकि पहले भी दो बार सर्वे हो चुका है। सर्वे से जुड़े पटवारियों ने बताया कि जग गिरदावरी जमा की गई थी, तब पहली सर्वे हुआ था और दूसरी बार फसल कटने पर।

सर्वर डाउन की समस्या

सभी जिलों में सहकारी समितियों को 13 अप्रैल को जिला प्रबंधक की तरफ से निर्देश दिए गए हैं कि बिना स्लॉट बुक कोई तुलाई नहीं करें। लेकिन जब किसान पंजीयन के लिए सोसायटी जाते हैं तो बारङ्कबार सर्वर डाउन की समस्या सामने आ जाती है।

किसानों के सहयोग के लिए एक भी अधिकारी नियुक्त नहीं

भारतीय किसान संघ के प्रांत प्रचार प्रमुख राहुल धूत ने बताया कि प्रदेश के लगभग सभी जिलों से शिकायत आ रही है कि किसानों की समस्या हल करने के लिए एक भी अधिकारी तकनीकी सहयोग के लिए नियुक्त नहीं किया गया है। धूत ने बताया कि तीन लाख से अधिक किसान सेटेलाइट सर्वे, सर्वर में उलझकर रह गए हैं। उन्होंने बताया कि हमने इस संबंध में जब कृषि विभाग के अफसरों से बात की तो उन्होंने कहा कि यह राजस्व का काम है। जब राजस्व से बात करो तो बोलते हैं डेटा कृषि विभाग को भेज दिया। धूत का आरोप है कि इस सरकारी लेतलाली से किसान औनेङ्कपौने दामों में अपनी उपज बाहर बाजार में बेचने के लिए मजबूर हो गया है।

45 हजार खसरों में गड़बड़ी

खाद्य आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण आयुक्त कर्मवीर शर्मा का कहना है कि संज्ञान में आया था कि कुछ खसरों में नदी, तालाब या अन्य कुछ आ रहा है। सभी कलेक्टरों को कहा है कि इसकी जांच करवाए। अब तक 45 हजार खसरों में गड़बड़ी सामने आई है।

दो दिनों में 280 बसों को पकड़ा

15 साल पुरानी बसों के खिलाफ अभियान शुरू, 559 वाहनों पर गाज

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के विभिन्न मार्गों पर अभी भी 15 वर्ष पुरानी 559 यात्री बसें दौड़ रही हैं जो कि यातायात नियमों के विरुद्ध हैं। परिवहन विभाग ने विशेष अभियान चलाकर दो दिनों में ऐसी 280 बसों को पकड़ा है। विभाग के पास अमला कम होने के कारण ट्रैफिक पुलिस और जिला पुलिस बल को 15 वर्ष पुरानी बसों के धरपकड़ की जिम्मेदारी दी गई है। इसके लिए सभी क्षेत्रीय परिवहन अधिकारियों (आरटीओ) ने अपने जिलों में पुलिस अधीक्षकों को पत्र लिखकर शहरों में चल रही ऐसी बसों के विरुद्ध यातायात पुलिस और ग्रामीण क्षेत्रों में थाना प्रभारियों को कार्रवाई के लिए कहा है। उन्हें ऐसी बसों के नंबर वाली सूची उपलब्ध कराई गई है। बता दें कि परिवहन विभाग के सचिव मनीष सिंह ने ऐसी 839 बसों की सूची पिछले वर्ष नवंबर में परिवहन आयुक्त को देकर इन्हें संचालन से बाहर करने के लिए कहा था। इस आदेश के विरुद्ध कुछ बस संचालकों ने हाई कोर्ट में याचिका लगाई थी। उनकी मांग थी कि 15 वर्ष की अवधि की गणना

परमिट जारी होने की तारीख से की जानी चाहिए न कि चेसिस के निर्माण की तारीख से। अब हाई कोर्ट ने शासन के आदेश को सही माना है। इसके बाद बसों का संचालन बंद कराया जा रहा है। परिवहन अयुक्त उमेश जोगा ने सभी आरटीओ को धरपकड़ में तेजी लाने के लिए कहा है।

भोपाल। अप्रैल के दूसरे पखवाड़े से गर्मी का असर तेज होने लगता है। तापमान के बढ़ने से धूप की चुभन लोगों को सताने लगी है।

ग्रीनको सर्टिफिकेशन के लिए हुई ऑडिट बैठक

ऊर्जा संरक्षण में भेल का सराहनीय कार्य

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भेल भोपाल इकाई, सभी विभागों के साथ मिलकर मेटेरियल सेविंग, ऊर्जा सरंक्षण, वेस्ट रिडक्शन एवं पर्यावरण सरंक्षण क्षेत्र में बहुत अच्छा कार्य कर रही है। भेल टाउनशिप और प्लॉट के भीतर की हरियाली इसका प्रमाण है।

ये विचार भेल में सीआईआई संस्था ने ऑडिटर दल ऑडिटर केके चक्रवर्ती, राजेश चंद्रा एवं सोहेल खान ने पर्यावरण मानकों के अनुसार ग्रीनको सर्टिफिकेशन के लिए आयोजित ऑडिट बैठक में संयुक्त रूप से व्यक्त किए। ऑडिटर चक्रवर्ती ने ऑडिट के दौरान आपसी संवाद, शॉप राउंड एवं डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन पर और बेहतर प्रयास करने पर जोर दिया।

उन्होंने ऑडिट दल को मिले सहयोग के लिए भेल अधिकारियों का आभार माना। बैठक में एजीएम एचएसई ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए भेल प्रबंधन की ओर से ऑडिट-टीम को आश्वस्त किया कि भेल हमेशा से ही बेहतर प्रयास के लिए प्रतिबद्ध है। बैठक का संचालन राजकुमार मीना, प्रबंधक एवं धन्यवाद ज्ञापन गिरिराज अग्रवाल, उप महाप्रबंधक ने किया। बैठक की अध्यक्षता ईडी प्रदीप कुमार उपाध्याय ने की। उन्होंने ने भेल के सहयोग से प्लॉट और टाउनशिप में किए जा रहे मुख्य विकास कार्यों और पर्यावरण संरक्षण के तहत हरित क्रांति क्षेत्र में किए गए योजनाओं के क्रियान्वयन से सीआईआई टीम को अवगत कराया। इस मौके पर सभी विभागों के महाप्रबंधक एवं वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

55 विद्यार्थियों को मिलेगी लैपटॉप राशि

मेधावी छात्रों का किया सम्मान

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

दीपमाला पागारानी संस्कार पब्लिक स्कूल में बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किया गया। समारोह में मेधावी छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। संस्था के सचिव बसंत चेलानी ने कहा कि विद्यालय के बेहतर परीक्षा परिणाम में शिक्षकों के साथ-साथ विद्यार्थियों की मेहनत और अभिभावकों का सहयोग महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष विद्यालय के 55 विद्यार्थियों को शासन द्वारा लैपटॉप राशि प्रदान की जाएगी, जो छात्रों के लिए बड़ी उपलब्धि है। संस्था अध्यक्ष सुशील वासवानी ने सभी विद्यार्थियों और अभिभावकों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता पूरे विद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है। अतिथि श्री मनोहर वासवानी ने छात्रों को आगे के जीवन में निरंतर मेहनत और लगन के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी और अभिभावकों से बफीसदीचों को सहयोग देने का आग्रह किया। विद्यालय का कक्षा 10वीं का परीक्षा

परिणाम 86 फीसदी तथा कक्षा 12वीं का 88 फीसदी रहा। हाई स्कूल में 75 और हायर सेकेंडरी में 100 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए। हाई स्कूल में अष्का रामनानी ने 95.60 फीसदी अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि हायर सेकेंडरी में वाणिज्य और विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

पश्चिम मध्य रेलवे ने शुरू किया अभियान

रेलवे की छवि धूमिल करने वालों पर सख्ती की तैयारी, झूठी शिकायत पर होगी कार्रवाई

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल ने रेलवे की छवि को धूमिल करने वाली झूठी एवं भ्रामक शिकायतों के विरुद्ध कार्रवाई करने का निर्णय लिया है। हाल ही में मंडीदीप के एक यात्री ने तत्काल टिकट में काउंटर पर अनियमितता की शिकायत की, जिसकी शिकायत झूठी पाए जाने पर फिलहाल रेल प्रबंधन ने यात्री को समझाइश देकर छोड़ दिया। यात्री ने शिकायत वापस ले ली है।

प्रबंधन ने कहा कि अब झूठी शिकायतों पर शिकायतकर्ता को बख्शा नहीं जाएगा। इस संबंध में डीआरएम पंकज त्यागी ने गुरुवार को अभियान चलाने का दिशा-निर्देश जारी कर दिया है। सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने बताया कि गत 12 अप्रैल को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक यात्री ने मंडीदीप रेलवे स्टेशन के आरक्षण काउंटर पर तत्काल टिकट में अनियिमितता के संबंध में झूठा शिकायत प्रसारित किया था, जिस पर भोपाल रेल प्रशासन ने तत्काल मामले को संज्ञान में लेते हुए जांच कराई। उन्होंने बताया कि सीसीटीवी फुटेज की जांच में पाया कि तत्कालीन ड्यूटी पर तैनात रेल कर्मचारी ने नियमानुसार तत्काल टिकट के लिए यात्रियों को टोकन दिए, जिसकी प्रविष्टि टोकन रजिस्टर में भी पाई गई। जबकि शिकायतकर्ता बिना टोकन के ही तत्काल टिकट लेने काउंटर पर उपस्थित महिला कर्मचारी पर अनावश्यक दबाव डाल रहा था। तत्काल टिकट न मिलने की दशा में आवेश में एक तरफा झूठा वीडियो बनाकर तत्काल टिकट में अनियमितता की शिकायत कर सोशल मिडिया ट्वीटर पर वायरल कर दिया, इससे रेलवे की छवि धूमिल हुई। जांच में पाया गया कि उक्त शिकायत पूरी तरह भ्रामक एवं असत्य थी। शिकायतकर्ता ने आवेश में शिकायत करने की बात रेल सुरक्षा बल के समक्ष स्वीकारी एवं अपनी शिकायत को वापस लिया। इस कारण फिलहाल कोई कार्रवाई यात्री के खिलाफ नहीं की गई। इस प्रकार की भ्रामक जानकारी प्रसारित न करने के निर्देश भी दिए। कटारिया ने कहा अब किसी यात्री की झूठी शिकायत पाई, तो सख्ती के साथ उसके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। अभियान का उद्देश्य रेलवे सेवाओं के संबंध में फैलने वाली असत्य सूचनाओं पर अंकुश लगाना एवं यात्रियों को सही एवं प्रमाणिक जानकारी उपलब्ध कराना है।

दो दिवसीय सिंधी मेला दो एवं तीन मई को

इस वर्ष नारी शक्ति और पर्यावरण को समर्पित होगा सिंधी मेला

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

सिंधी मेला समिति द्वारा आगामी 2 एवं 3 मई को लालघाटी स्थित सुंदरवन गार्डन में आयोजित होने वाले 'दो दिवसीय पारिवारिक सिंधी मेले' की तैयारियां जोरों पर हैं। मंगलवार को कबीर की कुटिया में आयोजित विशेष बैठक में समिति के अध्यक्ष मनीष दरयानी ने मेले के नए स्वरूप और सुविधाओं की विस्तृत रूपरेखा साझा की। समिति के अध्यक्ष मनीष दरयानी ने बताया कि इस वर्ष का मेला पूरी तरह से 'नारी शक्ति' और 'पर्यावरण संरक्षण' को समर्पित रहेगा। उन्होंने कहा कि मातृशक्ति के बिना समाज अधूरा है और महिलाएं आज हर क्षेत्र में कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं। इसी गौरव को सम्मान देने के लिए मेले को नारी शक्ति का रूप दिया गया है। साथ ही, मेले के माध्यम से लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने का भी प्रयास किया जाएगा। अतिथियों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए मनीष दरयानी ने स्पष्ट किया कि इस बार फूड ज़ोन और पार्किंग व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। फूड ज़ोन को पहले से अधिक विशाल बनाया जाएगा ताकि लोग खुले वातावरण में भोजन का आनंद ले सकें। बुजुर्गों को होने वाली असुविधा को देखते हुए इस वर्ष पहली बार परिसर में 'वैले पार्किंग' की सुविधा शुरू की जा रही है।

नई नियुक्तियों की घोषणा- बैठक के दौरान दरयानी ने मेले के सफल संचालन हेतु नई जिम्मेदारियों की घोषणा की। इस वर्ष सुनील किंगरारानी को मेले का संयोजक, चंदर डुलानी को सह-संयोजक एवं भारती ठाकुर को सह-संयोजिका नियुक्त किया गया है। बैठक में विधायक एवं संरक्षक भगवानदास सबनानी, महासचिव नरेश तलरेजा सहित किशोर तनवानी, घनश्याम पंजवानी, के.एल. दलवानी, जी.सी केवलरमानी और बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य नागरिक व महिलाएं उपस्थित रहीं।

मेट्रो एंकर | सबरीमाला अयप्पा सेवा समाजम के कार्यक्रम में जुटा मलयाली समाज

'विशु संगम' : केरल की संस्कृति और परंपराओं का संगम

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी में सबरीमाला अयप्पा सेवा समाजम, मध्य भारत प्रांत द्वारा आयोजित तृतीय 'विशु संगम' का आयोजन हर्षोल्लास और भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ। भेल स्थित हेमा हायर सेकेंडरी स्कूल के सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में मलयाली समुदाय सहित शहर के कई गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण केरल की समृद्ध सांस्कृतिक झलकियों से सजी प्रस्तुतियां रहीं। इस दौरान समाजम द्वारा सभी श्रद्धालुओं और बच्चों को 'विशु कैनीट्टम' वितरित किया गया, जो सुख-समृद्धि का प्रतीक माना जाता है।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों में कोलार श्रीपादम तिरुवातिरा समूह द्वारा प्रस्तुत 'तिरुवातिरा कली' ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं, दिल्ली की 'नृत्यालय प्रोडक्शंस' टीम ने कलामंडलम अभिषेक मारार के निर्देशन में

'कृष्णार्पणम' की भव्य प्रस्तुति दी, जिसमें कथकली, भरतनाट्यम और मोहिनीअट्टम के माध्यम से भगवान कृष्ण और राधा के प्रसंगों को जीवंत किया गया। कार्यक्रम के अंत में नाट्यश्री कला समिति, भोपाल द्वारा भी आकर्षक प्रस्तुतियां दी गईं। कार्यक्रम में 'श्रेष्ठ भारत ज्ञान-विज्ञान' प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री विश्वास सारंग ने समाजम के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए बताया कि संस्था देशभर में अन्नदान, एम्बुलेंस सेवा और चिकित्सा शिविरों के माध्यम से सराहनीय योगदान दे रही है। कार्यक्रम की अध्यक्षता सोमकांत उमलकर ने की। सबरीमाला अय्यप्पा सेवा समाजम के अध्यक्ष उन्नीकृष्णन, महासचिव अशोकन उपाध्यक्ष विजय कुमार और सचिव सुनील कुमार उपस्थित रहे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मध्य क्षेत्र कार्यवाह हेमंत मुक्तिबोध ने मुख्य वक्ता के रूप में अपने संबोधन में कहा कि हिंदू समाज को अपनी संस्कृति की रक्षा के लिए सजग रहना होगा। उन्होंने समाज पर हो रहे संगठित प्रहारों और कन्वर्जन जैसी चुनौतियों के प्रति सचेत रहने और वैचारिक परिवर्तन लाने का आह्वान किया।

कटारा हिल्स में नरवाई की आग से दहशत

भोपाल। राजधानी के कटारा हिल्स क्षेत्र में खेतों में लगी नरवाई (पराली) की आग ने तीन रिहायशी कॉलोनियों हैवन्स लाइफ सोसायटी, सिग्नेचर सिटी और कस्तूरी सिटी में दहशत का माहौल पैदा कर दिया। आग से उठता घना धुआं और तेज गर्मी सीधे कॉलोनियों तक पहुंच गई, जिससे हजारों लोग पूरी रात जागते रहे। स्थानीय लोगों के अनुसार धुआं करीब दो किलोमीटर तक फैल गया, जिससे घरों के भीतर भी सांस लेना मुश्किल हो गया। बढ़ते तापमान के कारण एयर कंडीशनर और कूलर भी प्रभावी नहीं रहे। कई लोगों को अपने वाहन सुरक्षित स्थानों पर ले जाकर खड़ा करना पड़ा ताकि चिंगारी से नुकसान न हो। कानूनी रूप से नरवाई जलाना प्रतिबंधित है, इसके बावजूद खेतों में आग लगाई जाती रही।

इंदौर में वंदे मातरम विवाद पर कांग्रेस में पार्टी लाइन तय नहीं, नेताओं के बयान अलग-अलग

जीतू बोले- अनुशासन समिति लेगी निर्णय, कार्रवाई के पक्ष में सिंघार

शहर अध्यक्ष ने निष्कासन की सिफारिश की, पूर्व मंत्री वर्मा ने बताया अनुचित

केके मिश्रा ने कहा- ये भाजपा के साथ मिलकर किया गया खेल है

भोपाल, दोपहर मेट्रो

इंदौर नगर निगम से शुरू हुए वंदे मातरम विवाद पर कांग्रेस अब भी पार्टी लाइन तय नहीं कर सकी है। बुधवार को भोपाल में कांग्रेस के जिला प्रभारियों की बैठक हुई। प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी ने बैठक ली लेकिन इसमें वंदे मातरम विवाद पर कोई चर्चा नहीं हुई। साफ हो गया कि विवाद पर कार्रवाई या चर्चा की जरूरत फिलहाल संगठन ने नहीं समझी। मामले पर कांग्रेस के सभी नेताओं के अलग-अलग बयान सामने आ चुके हैं। दूसरी ओर बड़े नेता इस विवाद को कैसे भी शांत करने की कवायद में जुटे नजर आ रहे हैं।

8 अप्रैल को नगर निगम के बजट सम्मेलन में कांग्रेस की दो महिला पार्षदों फौजिया शेख अलीम और रुबीना इकबाल खान ने वंदे मातरम गाने से इन्कार किया था। इसके अगले ही दिन शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे ने रुबीना खान के विरोध में पार्टी से निष्कासन की सिफारिश कर दी। कांग्रेस के प्रवक्ता केके मिश्रा भी पार्षदों के खिलाफ खड़े नजर आए। पूर्व

मंत्री सज्जनसिंह वर्मा और अल्पसंख्यक मोर्चा के डॉ. अमीनुलखान सूरी ने शहर अध्यक्ष की ओर से की गई निष्कासन की सिफारिश को अनुचित बताया। इसके बाद वंदे मातरम विवाद पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी भी सामने आए। उन्होंने कहा कि पार्टी की अनुशासन समिति मामला देखेगी और उचित निर्णय लेगी। हालांकि नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने पार्टी को जल्द कार्रवाई करने की नसीहत दे दी।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष को पत्र लिखा है। पार्षद रुबीना खान को पार्टी से निष्कासित करने की सिफारिश की गई है। शहर कांग्रेस के सभी कार्यक्रमों और बैठकों में वंदेमातरम् गाना अनिवार्य होगा।

-चिंटू चौकसे, शहर कांग्रेस अध्यक्ष

भाजपा के साथ मिलकर किया गया खेल

जो राष्ट्रधर्म नहीं निभा सकते और वंदे मातरम नहीं बोल सकते वे जाएं भाड़ में और पाकिस्तान जाकर बस जाएं। पार्षद रुबीना खान का बयान भाजपा के साथ मिलकर किया गया खेल है। -केके मिश्रा, कांग्रेस प्रवक्ता

वंदे मातरम का सम्मान जरूरी है लेकिन इसे अनिवार्य करना गलत है।

- डॉ. अमीनुलखान सूरी, अल्पसंख्यक प्रभारी छत्तीसगढ़

किन परिस्थितियों में बात बोली

कोई भी कार्रवाई न्याय के प्राकृतिक सिद्धांत और पार्टी के संविधान के अनुसार ही हो सकती है। पार्षद ने यदि कुछ बोला है तो पहले उन्हें नोटिस दिया जाए। उनसे जवाब लिया जाए कि किन परिस्थितियों के मद्देनजर उन्होंने बात बोली।

- सज्जनसिंह वर्मा, पूर्व मंत्री

जब इस तरह की बात होती है तो पार्टी को समय पर कार्रवाई करना चाहिए।

- उमंग सिंघार, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष

गाना न गाना सबका अपना संवैधानिक अधिकार है लेकिन ये कहना कि मैं नहीं गाऊंगा ये कहना कई लोगों और मुझे भी अच्छा नहीं लगा। प्रकरण पार्टी के संज्ञान में है और अनुशासन समिति इस पर निर्णय लेगी।

- जीतू पटवारी

सिवनी मालवा को मिली 1000 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों की सौगात, सीएम बोले-

स्टेट हाई-वे खोलेगा तरक्की का रास्ता

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आज का दिन भारत के लोकतंत्र के इतिहास का बड़ा दिन है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 21वीं शताब्दी के सबसे बड़े निर्णय नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर लोकसभा में चर्चा की शुरुआत हुई है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम बहनों के राजनीतिक और सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। नारी केवल सृष्टि की जननी ही नहीं, बल्कि राष्ट्र की उन्नति की वास्तविक सूत्रधार है। जब हम विकसित भारत की कल्पना करते हैं, तो उसकी नींव में आधी आबादी के सामर्थ्य, संघर्ष और सफलता की कहानियां स्पष्ट दिखाई देती हैं। नारी शक्ति वंदन अधिनियम इसी सामर्थ्य को संवैधानिक मान्यता देने और लोकतांत्रिक संस्थाओं में महिलाओं के लिए नेतृत्व के नए द्वार खोलने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। प्रधानमंत्री श्री मोदी देशवासियों के सामाजिक-आर्थिक उन्नयन के साथ ही इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास पर भी समान रूप से ध्यान दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की प्रमुख घोषणाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नर्मदा नदी आंवली घाट के हथनापुर गांव में सिंचाई परियोजना के विकसित करने की घोषणा की। इस परियोजना का लाभ क्षेत्र के 40 गांवों के 10 हजार से अधिक किसानों को मिलेगा। मुख्यमंत्री ने नगर पालिका सिवनी-मालवा में सड़क, सीवेज, बिजली-पानी की मूलभूत सुविधाओं के विकास के लिए विशेष निधि से राशि देने की घोषणा की। उन्होंने सिवनी-मालवा-शिवपुर बावरी मुख्य मार्ग की मंजूरी, पीपलपुरा पुल निर्माण और बनापुरा के शासकीय स्कूलों में अतिरिक्त कक्ष निर्माण की घोषणा की। इसके साथ ही शिवपुर और डोलपुर में सांदीपनि विद्यालय के लिए सर्वे कराने और एक विद्यालय की मंजूरी देने की घोषणा की। कार्यक्रम में लोक निर्माण मंत्री एवं नर्मदापुरम जिले के प्रभारी श्री राकेश सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के प्रत्येक जिले में विकास की अनेक सौगातें दी हैं। सिवनी-मालवा कृषि से समृद्ध क्षेत्र है। पिछले दो साल में ही 984 करोड़ की लागत की सड़कों की सौगात सिवनी-मालवा को मिली है। राज्य सरकार ने नर्मदापुरम जिले में ऐतिहासिक रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव की है, जिसमें अभूतपूर्व निवेश प्राप्त हुआ।

सरकार बहनों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 972 करोड़ से अधिक लागत के 72 किलोमीटर लंबे नर्मदापुरम-टिमरनी स्टेट हाईवे-67 का उन्नयन एवं पुनर्निर्माण कार्य के भूमि-पूजन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को नर्मदापुरम जिले के सिवनी-मालवा में संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में पहले से ही स्थानीय निकाय और नगरीय निकाय चुनावों में 50 प्रतिशत पद बहनों के लिए आरक्षित हैं। राज्य सरकार बहनों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है, राज्य सरकार जो कहती है, उसे पूरा करती है। प्रदेश की 1.25 करोड़ से अधिक लाड़ली बहनों को अब तक 55 हजार करोड़ रूपए से अधिक राशि दी जा चुकी है। लाड़ली बहना योजना की शुरुआत से लेकर अब तक प्रति बहन 40 हजार 500 रुपए से अधिक राशि बहनों के बैंक खातों में आई है। बहनें चिंता न करें, योजना की राशि बढ़कर 1500 रुपए करने के साथ आगे भी जो संभव होगा वह किया जाएगा।

मध्य प्रदेश में नई ट्रांसफर पॉलिसी की तैयारी

एक माह के लिए हटेगा प्रतिबंध
प्रभारी मंत्रियों को मिलेंगे अधिकार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश सरकार वर्ष 2026 की नई तबादला नीति लागू करने की तैयारी में है। मुख्यमंत्री मोहन यादव के संकेतों के बाद सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) नीति का ड्राफ्ट तैयार करने में जुट गया है, जिसे अप्रैल के अंत तक कैबिनेट के सामने रखा जा सकता है। सरकार हर साल की तरह इस बार भी तबादलों पर लगी रोक को सीमित अवधि के लिए हटाएगी। प्रस्ताव के अनुसार, करीब एक महीने की विंडो खोली जाएगी, जिसमें विभिन्न विभागों में कर्मचारियों के तबादले किए जा सकेंगे। हालांकि, अनियंत्रित तबादलों पर रोक लगाने के लिए एक सीमा तय की गई है-किसी भी विभाग में कुल तबादले उसके कैडर के 10 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।

इस बार की नीति में एक बड़ा बदलाव प्रभारी मंत्रियों की भूमिका को लेकर देखने को मिल सकता है। सूत्रों के अनुसार, मंत्रियों को अपने जिलों में तबादलों पर पहले जैसे अधिकार दिए जा सकते हैं। यानी उनकी स्वीकृति के बिना सूची को अंतिम रूप नहीं दिया

जाएगा। इससे जिला स्तर पर राजनीतिक और प्रशासनिक समन्वय बढ़ने की संभावना है। वहीं, स्थानीय स्तर पर कलेक्टर की भूमिका भी महत्वपूर्ण रहेगी। तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों के तबादले पहले कलेक्टर स्तर पर प्रस्तावित होंगे, जिसके बाद आगे की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। पिछले साल अपेक्षाकृत कम तबादले होने के कारण इस बार कर्मचारियों में उम्मीदें बढ़ी हैं। लंबे समय से एक ही स्थान पर पदस्थ अधिकारियों-कर्मचारियों को नई नीति से राहत मिलने की संभावना है। बैठकों में जनप्रतिनिधियों ने भी तबादला प्रतिबंध हटाने की मांग रखी थी, जिससे साफ है कि इस बार प्रक्रिया ज्यादा सक्रिय रहने वाली है। कैबिनेट की मंजूरी के बाद मई की शुरुआत से तबादलों का दौर शुरू होने के आसार हैं।

पहली बार बीजेपी में बैठकों की टाइमलाइन बनी

प्रदेश अध्यक्ष से बूथ अध्यक्षों तक का शेड्यूल हुआ फिक्स, टिफिन मीटिंग भी करेगी पार्टी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में भाजपा ने अपने सांगठनिक ढांचे को नई धार देने के लिए एक बड़ी व्यवस्था लागू की है। पार्टी ने इतिहास में पहली बार बैठकों और प्रवास (दौरे) के लिए एक सख्त टाइमलाइन निर्धारित कर दी है। अब प्रदेश अध्यक्ष से लेकर बूथ स्तर के कार्यकर्ता को पता होगा कि उन्हें महीने के किस दिन, कहां और किसके साथ बैठक करनी है। संगठन की इस नई कार्ययोजना के तहत प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और अन्य वरिष्ठ नेता महीने के शुरुआती 10 दिनों में मैदानी दौरों और जिला स्तरीय बैठकों पर केंद्रित रहेंगे। इस व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य संगठन और सरकार के बीच बेहतर तालमेल और योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना है।

मंडल स्तर की बैठकें: महीने के पहले सप्ताह में (01 से 07 तारीख)- महीने के पहले सप्ताह में संगठन का पूरा ध्यान मंडल स्तर पर केंद्रित रहेगा। हर महीने में 1 से 7 तारीख के बीच मंडल की बैठकें आयोजित की जाएंगी। इस बैठक में जिला अध्यक्ष और जिला प्रभारी की उपस्थिति अनिवार्य की गई है, जो मंडल अध्यक्ष, मंडल पदाधिकारियों, मंडल मोर्चा अध्यक्षों और वार्ड संयोजकों के साथ समन्वय स्थापित करेंगे।

अंतिम सप्ताह में टिफिन बैठक

महीने के अंत में कार्यकर्ताओं के बीच आपसी सामंजस्य बढ़ाने के लिए टिफिन बैठक जैसी अनूठी पहल को शामिल किया गया है। 23 से 30 तारीख के बीच शक्ति केंद्र टोली की बैठकों के बाद अनिवार्य रूप से टिफिन बैठक का आयोजन किया जाएगा । इसके साथ ही महीने के अंतिम रविवार को बूथ स्तर पर मन की बात कार्यक्रम सुना जाएगा, जिसमें बूथ की 11 सदस्यीय टोली के साथ स्थानीय वरिष्ठ कार्यकर्ता और प्रमुख मतदाता भी शामिल होंगे।

जिला स्तर की बैठकें: दूसरा सप्ताह (07 से 10 तारीख)- दूसरे चरण में संगठनात्मक गतिविधियों का केंद्र जिला मुख्यालय होंगे। प्रत्येक माह की 7 से 10 तारीख के बीच जिला स्तरीय बैठकें संपन्न की जाएंगी । इन बैठकों में संभाग प्रभारी, जिला प्रभारी और जिला अध्यक्ष की उपस्थिति अनिवार्य रहेगी । इस दौरान जिला पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों और मोर्चों के जिला अध्यक्षों के साथ मिलकर भविष्य की कार्ययोजना और स्थानीय योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की जाएगी।

प्रदेश स्तरीय बैठकें और प्रवास:- तीसरा सप्ताह (11 से 20 तारीख)- महीने के मध्य का समय प्रदेश स्तरीय बैठकों और वरिष्ठ पदाधिकारियों के प्रवास के लिए सुरक्षित रखा गया है। प्रत्येक माह की 15 से 20 तारीख के बीच प्रदेश पदाधिकारी, संभाग प्रभारी और जिला प्रभारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी ।

आत्मनिर्भर मप्र में कुटीर एवं ग्रामोद्योग की उल्लेखनीय भूमिका : जायसवाल

भोपाल। कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जायसवाल ने कहा है कि 'आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश' के संकल्प को साकार करने में कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग की भूमिका अत्यंत उल्लेखनीय है। विभाग के प्रयासों से प्रदेश के लाखों कारीगर, बुनकर, शिल्पी और ग्रामीण उद्यमी स्वरोजगार से जुड़कर आर्थिक रूप से सशक्त हुए हैं।

राज्यमंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि विभाग द्वारा चलाई जा रही मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, संत रविदास स्वरोजगार योजना, मुख्यमंत्री कारीगर समृद्धि योजना और एक जिला-एक उत्पाद जैसे कार्यक्रमों ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति दी है। पिछले तीन वर्षों में विभाग के माध्यम से 2.5 लाख से अधिक हितग्राहियों को स्वरोजगार के लिए ऋण एवं अनुदान उपलब्ध कराया गया, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर सृजित हुए।

प्रमुख उपलब्धियां

- हथकरघा एवं हस्तशिल्प को बढ़ावा : चंदेरी, महेश्वरी, बाग प्रिंट और गोंड पेंटिंग जैसे पारंपरिक उत्पादों को राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय मंच मिला।
- 'एमपी हस्तशिल्प एवं हथकरघा विकास निगम' के माध्यम से 1800 करोड़ रुपए से अधिक का कारोबार किया गया।
- माटी कला एवं बांस शिल्प का पुनरुद्धार :कुम्हारों और बांस शिल्पियों को आधुनिक उपकरण, प्रशिक्षण और बाजार उपलब्ध कराया गया। इससे 35 हजार से अधिक परिवारों को सीधा लाभ मिला।
- महिला सशक्तिकरण: स्व-सहायता समूहों के माध्यम से 1.2 लाख महिलाओं को अगरबत्ती, मसाले, अचार, दोना-पत्तल और सिलाई-कढ़ाई जैसे कार्यों से जोड़ा गया।

भारत की जनगणना 2027 CENSUS OF INDIA

गृह मंत्रालय भारत सरकार सत्यमेव जयते

हमारी जनगणना हमारा विकास

(जनगणना 2027 का पहला चरण)
स्व-गणना (Self Enumeration) से जुड़े सामान्य प्रश्न और उत्तर (भाग-1)

स्व-गणना क्या है?
स्व-गणना एक ऑनलाइन प्रक्रिया है जिसमें आप प्रगणक की प्रतीक्षा किए बिना, स्वयं SE पोर्टल (se.census.gov.in) पर अपने परिवार की जानकारी भर सकते हैं

- क्या स्व-गणना अनिवार्य है?
  नहीं, यह अतिरिक्त सुविधा है, यदि आप स्व-गणना नहीं करते तो प्रगणक आपके घर आकर जानकारी दर्ज करेगा
- क्या मैं किसी भी भाषा में स्व-गणना कर सकता / सकती हूँ?
  यह सुविधा हिंदी, अंग्रेजी और 14 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध है
- क्या स्व-गणना के लिए इंटरनेट जरूरी है?
  हाँ, पोर्टल तक पहुँचने और जानकारी भरने के लिए इंटरनेट आवश्यक है
- क्या मेरी जानकारी सुरक्षित है?
  हाँ, सभी डेटा सुरक्षित, एन्क्रिप्टेड और सरकारी सर्वरों में संरक्षित है
- SE ID क्या है और इसका उपयोग क्या है?
  सबमिशन के बाद आपको एक विशिष्ट 11 अंकों की SE ID मिलेगी (SMS / email से), जिसे प्रगणक के आने पर उन्हें दिखाना आवश्यक होगा
- यदि SE ID भूल जाएँ तो क्या करें?
  पोर्टल पर पंजीकृत मोबाइल नंबर के माध्यम से SE ID पुनः प्राप्त की जा सकती है
- क्या स्व-गणना के बाद भी प्रगणक आएगा?
  हाँ, प्रगणक आपके घर आएगा और SE ID के आधार पर जानकारी की पुष्टि करेगा
- क्या मुझे कोई दस्तावेज़ अपलोड करने की आवश्यकता है?
  नहीं, किसी भी दस्तावेज़ को अपलोड करने की आवश्यकता नहीं है
- क्या पोर्टल पर सहायता उपलब्ध है?
  हाँ, पोर्टल पर, यूज़र गाइड, फ्लोचार्ट, ट्यूटोरियल वीडियो, FAQs और टूलटिप्स के रूप में सहायता उपलब्ध है

टोल फ्री - 1855

चलो निभाएं अपनी ज़िम्मेदारी, करें जनगणना में भागीदारी CensusIndia2027

CBC 19108/13/0023/2627

कम बारिश का चिंताजनक पूर्वानुमान

दो सालों की घनघोर बारिश के बाद, भारत को आने वाले मानसून के दौरान बरसात में भारी कमी का सामना करना पड़ सकता है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अप्रैल में जारी अपने पूर्वानुमान में जून से सितंबर के बीच आठ फीसदी की कमी, यानी सामान्य से कम वर्षा होने की भविष्यवाणी की है। इस अनुमान में पांच फीसदी की त्रुटि की संभावना है। लेकिन आईएमडी के पिछले रिकॉर्ड के मद्देनजर, ऐसे कई मौके आए हैं जब आईएमडी ने 'सामान्य' मानसून की भविष्यवाणी की है और भारत में सूखा पड़ा है। जबकि, सूखे की भविष्यवाणी करने और इसके गलत साबित होने के मामले इससे कहीं ज्यादा हैं। दरअसल, जब आईएमडी अप्रैल में बारिश की कमी की चेतावनी देता है, तो इतिहास गवाह है कि भारत में अक्सर सूखा पड़ता है। यह एजेंसी अपनी आधिकारिक शब्दावली में कभी भी 'सूखा' शब्द का प्रयोग नहीं करती है और सिर्फ 90 फीसदी से नीचे की कमी को ही 'न्यून' वाली स्थिति के रूप में संदर्भित करती है। अप्रैल 2015 में, आईएमडी ने 2015 के दक्षिण-पश्चिम मानसून के मौसम के लिए 'सामान्य से कम मानसून' का पूर्वानुमान जारी किया था। इसमें मौसमी वर्षा के दीर्घकालिक औसत के 93 फीसदी रहने का अनुमान लगाया गया था, जो फिर से 'सामान्य से कम' था। लेकिन भारत में हालात कहीं ज्यादा ही खराब रहे और उसका दीर्घकालिक औसत (एलपीए) 86 फीसदी रहा। आईएमडी को इस बार मानसून के दूसरे महत्वपूर्ण आधे हिस्से (अगस्त और सितंबर) में कमजोर मानसून की आशंका है। इसका कारण मौसम मॉडल द्वारा दर्शाए गए 'अल नीनो' का संकेत है। 'अल नीनो' एक ऐसी चक्रीय घटना है, जिसमें मध्य भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर का तापमान एक डिग्री सेल्सियस से ज्यादा बढ़ जाता है और 1950 के बाद से 16 में से 9 बार यह कमजोर मानसून से संबंधित रहा है। आईएमडी को उम्मीद है कि हिंद महासागर डायपोल अल नीनो के शुष्क प्रभाव का प्रतिकार करेगा। इस साल जब पश्चिम एशिया में युद्ध जैसे हालात सबसे ज्यादा चिंताजनक बने हुए हैं, ऐसे में कमजोर बारिश के साथ-साथ गैस और उर्वरक की कमी से किसानों की हालत और भी खराब हो सकती है। लिहाजा सरकार को उर्वरकों का भंडार बढ़ाने, खासतौर पर पानी की कमी की आशंका वाले जलाशयों समेत पानी का समान वितरण सुनिश्चित करने और किसानों को बुवाई की सर्वोत्तम पद्धतियों के बारे में समय रहते सलाह देने की तैयारी फौरन शुरू कर देनी चाहिए।

आस्था के नाम पर फैलते छल से बचकर ही सुरक्षित रहेगी किसान की मेहनत

डॉ. सत्यवान सौरभ
स्तंभकार

उत्तर भारत के गाँवों में गेहूँ की कटाई केवल एक मौसम नहीं, बल्कि जीवन का उत्सव होती है। यह वह समय है जब किसान की महीनों की तपस्या, धूप में जले हाथ, सर्द रातों की पहरेदारी और अनिश्चित मौसम के साथ लड़ी गई जंग अंततः रंग लाती है। खेतों में झूमती सुनहरी बालियाँ किसी साधारण फसल का दृश्य नहीं, बल्कि आशा, संघर्ष और आत्मसम्मान का प्रतीक होती हैं। जब यही फसल कटकर घर के आँगन में ढेर बनाती है, तो वह केवल अनाज नहीं होती—वह पूरे साल की सुरक्षा होती है, बच्चों की पढ़ाई का आधार, बीमारियों में सहारा, और भविष्य की अनिश्चितताओं से लड़ने की ताकत होती है। घर की महिलाएँ उस अनाज को सहेजती हैं, साफ करती हैं, सुखाती हैं और बड़े जतन से उसे भंडार में रखती हैं, क्योंकि वे जानती हैं कि यही दाने आने वाले समय में घर की नींव को मजबूत बनाए रखेंगे।

लेकिन इस सुनहरे और संतोष भरे दृश्य के साथ ही एक ऐसी परछाई भी गाँव की गलियों में उतरने लगती है, जो धीरे-धीरे इस खुशी को कम करने लगती है। यह परछाईं है झोली लेकर घूमने वाले तथाकथित बाबाओं और मोड़ों की, जो इसी मौसम का इंतजार करते हैं। जैसे ही अनाज घरों में आता है, ये लोग अचानक गाँवों में दिखाई देने लगते हैं। उनके वस्त्र, उनका रूप और उनकी वाणी सब कुछ इस तरह से रचा गया होता है कि वे श्रद्धा के पात्र प्रतीत हों। माथे पर तिलक, सिर पर पटका या टोपी, रंग-बिरंगे कपड़े और हाथ में एक झोली—यह सब मिलकर एक ऐसा रूप तैयार करते हैं, जिसे देखकर सामान्य ग्रामीण सहज ही प्रभावित हो जाता है। वे घर-घर जाकर दरवाजे पर खड़े होते हैं और मीठे शब्दों में आशीर्वाद देते हैं—'भगवान भला करेगा', 'माता रानी कृपा बनाए रखे'—और बदले में कुछ अनाज या पैसे की अपेक्षा रखते हैं।

गाँवों में दान और सेवा की परंपरा सदियों से चली आ रही है। यह परंपरा केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक भी है, जो आपसी सहयोग और सह-अस्तित्व की भावना को मजबूत करती है। खासकर महिलाएँ इस परंपरा को निभाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। वे घर की दहलीज पर खड़ी होकर आने-जाने वालों का स्वागत करती हैं और अपनी सामर्थ्य के अनुसार दान देती हैं। उनके लिए यह केवल एक सामाजिक कर्तव्य नहीं, बल्कि आस्था का हिस्सा होता है। लेकिन यही आस्था कई बार उनकी कमजोरी बन जाती है, जब कुछ लोग इसका लाभ उठाने लगते हैं।

एक घर से दी गई एक मुट्ठी गेहूँ शायद बहुत छोटी बात लगती है। देने वाले को लगता है कि इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा। लेकिन यही प्रक्रिया जब पूरे गाँव में दोहराई जाती है, तो यह छोटी-छोटी मुट्ठियाँ मिलकर एक बड़े ढेर में बदल जाती हैं। दिन भर में सैकड़ों घरों से इकट्ठा किया गया अनाज शाम तक एक बड़ी मात्रा में पहुँच जाता है। इसके बाद यह अनाज अक्सर बाजार में बेच दिया जाता है, और उससे प्राप्त धन का उपयोग जरूरी जरूरतों के बजाय नशे, जुए या अन्य अनुचित गतिविधियों में होने की शिकायतें सामने आती हैं। इस प्रकार, जो अनाज किसान ने अपने खून-पसीने से उगाया था, वह धीरे-धीरे ऐसे हाथों में चला जाता है जहाँ उसका सम्मान नहीं होता। यह केवल आर्थिक नुकसान की बात नहीं है, बल्कि यह विश्वास के टूटने की कहानी भी है। जब कोई व्यक्ति धर्म और आस्था का सहारा लेकर किसी की मेहनत का लाभ उठाता है, तो वह केवल संसाधनों की चोरी नहीं करता, बल्कि सामाजिक मूल्यों को भी कमजोर करता है। इससे भी अधिक चिंताजनक स्थिति तब होती है जब कुछ लोग दान न देने पर डराने-धमकाने का सहारा लेते हैं। 'अगर दान नहीं दिया तो अनिष्ट होगा', 'घर में अशांति आ जाएगी'—ऐसे शब्द केवल अंधविश्वास को बढ़ावा नहीं देते, बल्कि लोगों के मन में अनावश्यक भय भी पैदा करते हैं। यह भय खासकर महिलाओं और बुजुर्गों को प्रभावित करता है, जो पहले से ही धार्मिक मान्यताओं से गहराई से जुड़े होते हैं।

हालाँकि, इस पूरी तस्वीर का एक दूसरा पहलू भी है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। समाज में ऐसे लोग भी हैं जो वास्तव में जरूरतमंद हैं—बुजुर्ग, विकलांग या ऐसे व्यक्ति जिनके पास जीवनयापन का कोई साधन नहीं है। उनके लिए भिक्षा माँगना कोई विकल्प नहीं, बल्कि मजबूरी होती है। उनके चेहरे पर बनावटीपन नहीं, बल्कि संघर्ष और थकान की सच्चाई झलकती है। इसलिए हर झोली लेकर आने वाले व्यक्ति को एक ही नजर से देखना उचित नहीं होगा। यही वह बिंदु है जहाँ विवेक और संवेदनशीलता दोनों की आवश्यकता होती है।

समस्या का समाधान केवल विरोध में नहीं, बल्कि समझदारी में छिपा है। सबसे पहले, जागरूकता आवश्यक है। परिवार के सभी सदस्यों को यह समझाना जरूरी है कि दान केवल भावना के आधार पर नहीं, बल्कि सोच-समझकर किया जाना चाहिए। खासकर महिलाओं को यह सिखाना जरूरी है कि वे किसी भी प्रकार के डर या दबाव में आकर निर्णय न लें। यदि कोई व्यक्ति जबरदस्ती करता है या डराने की कोशिश करता है, तो उसका विरोध करना चाहिए और जरूरत पड़ने पर पड़ोसियों या पंचायत की सहायता लेनी चाहिए। दूसरा महत्वपूर्ण कदम है दान की दिशा को सही करना। यदि किसी के मन में देने की भावना है, तो उसे उन लोगों तक पहुँचाना चाहिए जो वास्तव में जरूरतमंद हैं। गाँव में ऐसे कई परिवार होते हैं जो आर्थिक रूप से कमजोर होते हैं, जिनकी मदद से उनका जीवन बेहतर हो सकता है। विधवाएँ, बुजुर्ग, अनाथ बच्चे या शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़े जरूरतमंद लोग—ये वे स्थान हैं जहाँ दान का वास्तविक प्रभाव पड़ता है। इससे न केवल संसाधनों का सही उपयोग होता है, बल्कि समाज में आपसी सहयोग और विश्वास भी मजबूत होता है।

तीसरा, सामूहिक निर्णय की शक्ति को समझना जरूरी है। यदि पूरा गाँव मिलकर यह तय कर ले कि घर-घर घूमकर अनाज देने की परंपरा को सीमित किया जाएगा, तो इस समस्या का समाधान अपने आप निकल सकता है। अकेले व्यक्ति के लिए मना करना मुश्किल हो सकता है, लेकिन जब पूरा समुदाय एक साथ खड़ा हो, तो स्थिति बदल जाती है। सामूहिक जागरूकता और एकजुटता ही ऐसे शोषण के खिलाफ सबसे बड़ा हथियार है।

इसलिए समय की मांग है कि हम अपनी परंपराओं का सम्मान करें, लेकिन आँख बंद करके नहीं। हमें अपने समाज, अपने संसाधनों और अपनी मेहनत की रक्षा के लिए जागरूक और सतर्क रहना होगा। क्योंकि अंत में, वही समाज आगे बढ़ता है जो अपनी जड़ों से जुड़ा रहता है, लेकिन बदलते समय के साथ अपनी सोच को भी विकसित करता है और जब यह समझ हमारे भीतर विकसित हो जाएगी, तब शायद गेहूँ की यह सुनहरी फसल केवल खेतों में ही नहीं, बल्कि हमारे विचारों में भी लहलहाएगी—सम्मान, जागरूकता और विवेक के साथ।

–यह लेखक के अपने विचार हैं।

नारी शक्ति वंदन

अधिकार, नेतृत्व और विकसित भारत की आधारशिला

रूपल नेमा
स्तंभकार

भारत में महिलाओं की भूमिका हमेशा से महत्वपूर्ण रही है, लेकिन आधुनिक समय में उनकी भागीदारी और अधिकारों को जिस तरह से महत्व दिया जा रहा है, वह एक सकारात्मक परिवर्तन का संकेत है। 'नारी शक्ति वंदन' इसी परिवर्तन का प्रतीक है, जो महिलाओं को सशक्त बनाने, उन्हें सम्मान दिलाने और राष्ट्र निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का संदेश देता है।

नारी शक्ति वंदन केवल एक विचार नहीं, बल्कि महिलाओं के प्रति समाज की सोच में बदलाव का प्रतीक है। यह बताता है कि महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से कम नहीं हैं और उन्हें समान अवसर मिलना चाहिए। जब महिलाओं को शिक्षा, रोजगार और निर्णय लेने का अधिकार मिलता है, तो वे न केवल अपने जीवन को बेहतर बनाती हैं, बल्कि समाज और देश की प्रगति में भी महत्वपूर्ण योगदान देती हैं।

महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाना इस दिशा में एक बड़ा कदम है। संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण की व्यवस्था उन्हें नीति-निर्माण में भाग लेने का अवसर देती है। इससे महिलाओं से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता मिलती है और एक संतुलित तथा समावेशी समाज का निर्माण होता है। यह कदम न केवल महिलाओं के अधिकारों को मजबूत करता है, बल्कि लोकतंत्र को भी अधिक सशक्त बनाता है।

सुरक्षा भी नारी सशक्तिकरण का एक महत्वपूर्ण पहलू है। जब तक महिलाएं सुरक्षित महसूस नहीं करेंगी, तब तक वे स्वतंत्र रूप से आगे नहीं बढ़ सकतीं। सरकार द्वारा महिलाओं की सुरक्षा के लिए कई कानून और योजनाएं लागू की गई हैं, जैसे महिला हेल्पलाइन, सख्त कानून और त्वरित न्याय प्रणाली। लेकिन इसके साथ ही समाज में जागरूकता और मानसिकता में बदलाव भी जरूरी है, ताकि महिलाओं के प्रति सम्मान और संवेदनशीलता बढ़े।

शिक्षा महिलाओं के सशक्तिकरण की सबसे बड़ी कुंजी है।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसे अभियानों ने लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा दिया है। एक शिक्षित महिला अपने अधिकारों को समझती है और आत्मनिर्भर बनती है। वह अपने परिवार और समाज के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसलिए, हर लड़की को शिक्षा का समान अवसर मिलना चाहिए।

आर्थिक रूप से सशक्त होना भी महिलाओं के आत्मविश्वास को बढ़ाता है। आज महिलाएं विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रही हैं और स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से छोटे व्यवसाय भी चला रही हैं। इससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होती है और वे आत्मनिर्भर बनती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में भी महिलाएं खेती, पंचायत और अन्य गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं।

हालांकि, आज भी कुछ चुनौतियाँ बनी हुई हैं, जैसे लैंगिक भेदभाव, घरेलू हिंसा और असमान अवसर। इन समस्याओं को दूर करने के लिए सरकार के साथ-साथ समाज को भी आगे आना होगा। महिलाओं के प्रति सम्मान और समानता की भावना को बढ़ावा देना हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है।

अंततः, नारी शक्ति वंदन एक ऐसी पहल है जो महिलाओं को उनका अधिकार दिलाने और उन्हें सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। जब महिलाएं सुरक्षित, सम्मानित और आत्मनिर्भर होंगी, तभी एक मजबूत और विकसित भारत का निर्माण संभव होगा। इसलिए, हमें महिलाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए और उनके योगदान का सम्मान करना चाहिए यही सच्चे अर्थों में नारी शक्ति का वंदन है।

–यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

अल्ट्रा वॉइलेट किरणों के बढ़ते लेवल से कैंसर-मोतियाबिंद तक का हो सकता है खतरा

हाल ही में भारत के कुछ क्षेत्रों में बढ़ते UV लेवल दर्ज किए गए। इसका अर्थ है 'very high to extreme UV Index levels'। सूरज की इन हानिकारक किरणों के संपर्क में आने पर स्किन कैंसर, मोतियाबिंद, हीट एग्जॉशन, सनबर्न जैसी कई स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्याओं का जोखिम बढ़ जाता है। ऐसे में ये जरूरी है कि अल्ट्रावॉयलेट रेडिएशन से बचाने वाला चश्मा लगाने, फुल स्लीव्स क्लोद्स पहनने, सनस्क्रीन का इस्तेमाल करने से लेकर पर्याप्त मात्रा में पानी पीने, एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन सी रिच फूड्स लेने जैसी चीजें अपनी लाइफस्टाइल में शामिल कर ली जाएं।

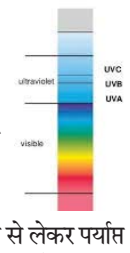

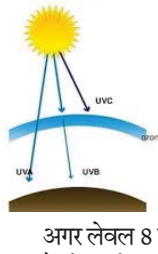

अल्ट्रावॉयलेट रेडिएशन सूरज से निकलने वाली ऊर्जा या रेज हैं जिन्हें भले ही देखा या महसूस नहीं किया जा सकता, लेकिन ये व्यक्ति की सेहत पर हानिकारक प्रभाव डाल सकती हैं। UV किरणें UVA और UVB के रूप में धरती की सतह तक पहुंचती हैं। UVA किरणें त्वचा में गहराई तक पहुंचने की क्षमता रखती हैं, जबकि UVB बाहरी परत पर असर डालती हैं। V इंडेक्स में इन किरणों का लेवल हाई या एक्सट्रीम होने का मतलब रेडिएशन की तीव्रता का अधिक होना है। अगर लेवल 8 से ऊपर हो तो ये इंसान के लिए खतरनाक माना जाता है। केरल में हाल ही में इसका लेवल 9 दर्ज किया गया है।

अल्ट्रावॉयलेट रेडिएशन के ज्यादा संपर्क में आने पर शरीर को कई तरह से नुकसान पहुंच सकता है। बसे आम और तुरंत नजर आने वाला नुकसान सनबर्न होता है। स्किन समय से पहले बूढ़ी होने लगती है। स्किन पिगमेंटेशन होने लगता है, ये समय के साथ बढ़ भी सकता है।

स्किन कैंसर होने का जोखिम बढ़ जाता है। UV रेडिएशन से स्किन सेल्स के DNA को भी नुकसान पहुंच सकता है। इससे सेल्स में असामान्य बदलाव होने लगते हैं। रेडिएशन के उच्च स्तर के लंबे संपर्क से मोतियाबिंद हो सकता है।

नुकसान से बचने के तरीके: सुबह 10 बजे से शाम के 4 बजे के बीच कम से कम बाहर निकलें। इस दौरान सूरज की तपन और किरणें सबसे ज्यादा तेज होती हैं। बाहर जाना हो तो पूरी आस्तीन वाले कपड़े पहनें, ताकि स्किन ढकी रहे। चौड़ी किनारों वाली कैप या हैट पहनें, जो किरणों से बचाने का काम कर सकें। UV प्रोटेक्शन वाला चश्मा लगाएं। इससे आंखों पर सीधे पड़ने वाला धूप का असर कम हो सकता है। अच्छी क्वालिटी और ब्रॉड-स्पेक्ट्रम वाली सनस्क्रीन्स का इस्तेमाल करें। इसे हर दो घंटे में री-अप्लाई करें। मुमकिन हो तो छांव वाले एरिया में रहें। शरीर में पानी की कमी न होने दें।

एंटीऑक्सीडेंट एंड कैरोटीनॉयड्स रिच फूड्स इन्हें बेअसर करने में मदद करते हैं। स्किन हेल्थ भी इससे बेहतर होती है। इसके लिए डाइट में टमाटर,गाजर, बेरी, हरी पत्तेदार सब्जियां आदि का सेवन किया जा सकता है। विटामिन-सी से भरपूर सब्जियां और फल जैसे बेल पेपर्स, ब्रोकली, कीवी, स्ट्रॉबेरी, अमरूद आदि त्वचा की सुरक्षा प्रणाली को मजबूती देते हैं।

सुविचार

महानता कभी ना गिरने में नहीं है, बल्कि हर बार गिरकर उठ जाने में है।
–अज्ञात

पॉवर ऑफ़ व्हाइट

अस्पतालों में सफ़ेद चादरें ही क्यों, सफाई का प्रतीक और संक्रमण से बचने में भी उपयोगी

आपने अपनी पूरी जिंदगी में अस्पताल के बेड पर सफेद चादर ही बिछे देखे होंगे। क्या कभी आपने ये सोचने की कोशिश की है कि इस चादर का रंग सफेद क्यों है? इसकी जगह लाल या किसी गहरे रंग की बेडशीट क्यों नहीं बिछाई जाती? अस्पताल जाते ही सबसे पहले जो चीज नजर आती है, वो है बेड पर बिछी सफेद चादर। लगभग हर अस्पताल में यही रंग इस्तेमाल होता है। इसका जवाब बेहद समझदारी भरा और वैज्ञानिक है।

अस्पताल के बेड पर सफेद चादर बिछाने का खास कारण है। सफेद चादर पर कोई भी दाग, खून, पसीना, उल्टी या अन्य शरीर के तरल पदार्थ तुरंत दिख जाते हैं। इससे नर्स और स्टाफ आसानी से समझ जाते हैं कि चादर बदलनी है। रंगीन चादर पर ये दाग छिप सकते हैं, जिससे संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। अस्पताल में संक्रमण बहुत बड़ा मुद्दा है, इसलिए सफेद चादर एक संकेत का काम करती है।

उच्च तापमान और ब्लीचिंग से सफाई: सफेद चादर को बहुत उच्च तापमान और ब्लीचिंग एजेंट से धोया जा सकता है। इससे बैक्टीरिया, वायरस और अन्य सूक्ष्मजीव मर जाते हैं। रंगीन चादर पर ब्लीच इस्तेमाल करने से रंग फीका पड़ जाता है या कपड़ा खराब हो जाता है। सफेद चादर लंबे समय तक इस्तेमाल की जा सकती है और लॉन्ड्री प्रक्रिया आसान और सस्ती होती है। सभी चादरें एक साथ धोई जा सकती हैं, बिना कलर सॉर्टिंग के।

सफेद रंग सफाई, शुद्धता और पेशेवरता का प्रतीक माना जाता है। मरीज और उनके परिवार को लगता है कि अस्पताल साफ-सुथरा और भरोसेमंद है। रंगीन चादरें कभी-कभी कम साफ दिख सकती हैं। इससे मरीज की स्थिति पर नजर रखना आसान होता है। सफेद पृष्ठभूमि पर खून का रिसाव, घाव से निकलने वाला तरल या कोई अन्य समस्या आसानी से दिख जाती है। इससे डॉक्टर और नर्स तुरंत कार्रवाई कर सकते हैं।

कुछ आधुनिक अस्पतालों में हल्के रंग (जैसे हल्का नीला या हरा) इस्तेमाल किए जाते हैं, लेकिन ज्यादातर जगहों पर सफेद ही स्टैंडर्ड है। कुछ देशों में दिन के अनुसार अलग-अलग रंग की चादरें इस्तेमाल करने का नियम भी है ताकि नियमित बदलाव सुनिश्चित हो।

न्यू गैजेट

रास्ते में धोखा नहीं देगी कार की बैटरी, छोटा सा गैजेट मोबाइल फोन पर देगा अपडेट

कार की बैटरी का ध्यान रखना बहुत जरूरी होती है, क्योंकि इसी से कार स्टार्ट होती है और यहां कि कार के सभी इलेक्ट्रॉनिक फंक्शंस भी इसी की वजह से चलते हैं। अगर आप चाहते हैं कि आपको बैटरी के बारे सभी जरूरी अपडेट्स टाइम पर मिलते रहें, तो एक छोटा सा गैजेट आपके लिए काम का साबित हो सकता है। यह आपको बैटरी की हेल्थ के बारे में सभी जरूरी अपडेट्स मोबाइल पर दे देगा।

कार की बैटरी अचानक खत्म हो जाना किसी को भी परेशान कर सकता है, खासकर तब जब आपने लंबे समय से गाड़ी न चलाई हो या आप बहुत ठंडी जगह रहते हों। आपकी गाड़ी हमेशा स्टार्ट होने के लिए तैयार रहे, इसके लिए बैटरी का ख्याल रखना जरूरी है।ज्यादातर पुरानी बैटरियों में समस्या का पता तब चलता है जब वे पूरी तरह खत्म हो जाती हैं। लेकिन, ब्लूटूथ बैटरी मॉनिटर नाम का एक छोटा सा गैजेट इस परेशानी को दूर कर सकता है। आइए आपको इसके बारे में डिटेल में बताते हैं।

यह एक छोटा डिवाइस है जिसे आप ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म अमेजन या लोकल मार्केट से खरीद सकते हैं। इसे आप अपनी कार, मोटरसाइकल या ट्रक की बैटरी में हमेशा के लिए फिट कर सकते हैं। बीजीआर की रिपोर्ट (Ref) के मुताबिक यह गैजेट ब्लूटथ के जरिए आपके फोन से कनेक्ट हो जाता है और ऐप के माध्यम से बैटरी का रियल-टाइम डेटा आपके मोबाइल पर भेजता है। इससे आपको बैटरी की हेल्थ के बारे में टाइम-टू-टाइम पता चलता रहेगा।

यह क्या-क्या बताता है?: आप अपने फोन पर ही देख सकते हैं कि बैटरी में कितनी पावर है, उसका टेम्परेचर कितना है और वोल्टेज कितना है। अगर बैटरी में कोई गड़बड़ी दिखती है, तो यह तुरंत आपके फोन पर अलर्ट मैसेज भी भेज देता है। इनकी बनावट काफी अच्छी होती है। आमतौर पर ब्लूटूथ बैटरी मॉनिटर IP67 रेटिंग के साथ आते हैं। इसका मतलब है कि इन पर धूल या पानी का असर नहीं होगा। साथ ही यह जल्दी खराब भी नहीं होगा।

एक ही ऐप से आप अपनी 4 अलग-अलग गाड़ियों की बैटरी पर नजर रख सकते हैं। इन्हें इस्तेमाल करना बहुत आसान है। एक बार बैटरी में लगाने के बाद यह आपको रेगुलरली अपडेट देता रहेगा। साथ ही इसकी कीमत भी काफी कम है, जिससे इसे खरीदना भी आसान है।

बैटरी को लंबे समय तक चलाने के टिप्स: सिर्फ गैजेट लगाना ही काफी नहीं है, अगर आप चाहते हैं कि कार की बैटरी लंबा चले तो आपको कुछ और बातों का भी ध्यान रखना होगा। अगर आपकी गाड़ी लंबे समय से खड़ी है, तो उसे बीच-बीच में स्टार्ट करें और हो सके तो उसे थोड़ा चलाएं भी। इंजन ऑफ होने पर बेवजह कार की हेडलाइट्स आदि को ऑन न करें। इससे बैटरी पर लोड पड़ता है।

निशाना

बैठे हुए हैं...!

ब्रजकिशोर पटेल

डाल से खुद टूटकर बैठे हुये हैं।
खुद ही खुद से रूठकर बैठे हुए हैं।।
होने को तो तीर थे बेहद नुकीले।
गलत दिशा में छूटकर बैठे हुये हैं।।
अकड़ अकड़ में गर्म तवे पर रखा पुड्डा।
अब चने सा फूटकर बैठे हुये हैं।।
जांच समिति के बने अध्यक्ष वो ही।
जो खजाना लूटकर बैठे हुए हैं।।
मंत्री के साले से भिड़ गये पुलिस बाले।
अपना माथा कूटकर बैठे हुए हैं।।
राजनीति ने उन्हें सिर पर बिठाया।
सत्य को जो झूठ कर बैठे हुए हैं।।
चुटकुले बाजों को दे ताली पे ताली।
मौलिक कवि को हूट कर बैठे हुए हैं।।

न्यूज विंडो

जनगणना में भाग लें, सही जानकारी दें और देश के विकास में भूमिका निभाएं

विदिशा। जिले के सिरोंज में जनगणना के प्रथम चरण मकान सूचीकरण के तहत एक प्रेरणादायक पहल देखने को मिली। सिरोंज के विधायक उमाकांत शर्मा ने अपने आवास स्थित कार्यालय में स्वगणना पूर्ण कर अधिकारी, कर्मचारियों एवं नागरिकों को अपने मकानों की स्व गणना करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान जनगणना के जिला स्तरीय फ़ील्ड ट्रेनर मनोज शर्मा, प्रगणक श्री सुधीर जैन, जनगणना सुपरवाइजर अखिलेश मार्को, जनगणना आपरेटर हेमंत शर्मा आदि की उपस्थिति रही। यह पहल केवल एक औपचारिक कार्यवाही नहीं, बल्कि आम नागरिकों के लिए एक मजबूत संदेश है। पहले स्वयं करें, फिर दूसरों को प्रेरित करें। विधायक उमाकांत जी शर्मा द्वारा खुद आगे बढ़कर जनगणना प्रक्रिया में भाग लेना इस बात को दर्शाता है कि यह अभियान सभी के सहयोग से ही सफल होगा।

नरवाई जलाने के बजाय बनाई प्राकृतिक खाद, फूफैर सरपंच ने अपनाया जैविक तरीका

गंजबासौदा। ग्राम पंचायत फूफैर की सरपंच राजकुमारी प्रवीण सिंह राजपूत ने पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ खेती की दिशा में सराहनीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने अपने खेत की नरवाई को जलाने के बजाय उसे जमीन में मिलाकर प्राकृतिक खाद तैयार की। सरपंच ने बताया कि नरवाई जलाने से मिट्टी के लाभकारी जीवाणु नष्ट हो जाते हैं, जिससे मिट्टी की उर्वरता घटती है। साथ ही, आग के कारण जमीन कठोर हो जाती है, जिसका सीधा असर कृषि उत्पादन पर पड़ता है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे नरवाई जलाने की परंपरा को छोड़कर उसे खेत में मिलाकर जैविक खाद बनाएं, जिससे जमीन की गुणवत्ता सुधरेगी और उत्पादन में भी वृद्धि होगी। इस अवसर पर गांव के किसान तेज प्रताप सिंह, रामपाल राजपूत, सौरभ कुशवाहा और राजेंद्र कुशवाहा सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे। सरपंच की इस पहल को ग्रामीणों ने सराहनीय बताते हुए भविष्य में नरवाई जलाने के बजाय प्राकृतिक खाद बनाने की दिशा में काम करने का संकल्प लिया।

बैठक में चर्चा: परशुराम जन्मोत्सव चल समारोह में डीजे पर रहेगी रोक

गंजबासौदा। अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर भगवान परशुराम जन्मोत्सव इस वर्ष भी श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। ब्राह्मण समाज द्वारा इसके लिए तैयारियां तेज कर दी गई हैं। समाज अध्यक्ष संतोष शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से दो दिवसीय कार्यक्रम की रूपरेखा तय की गई। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 18 अप्रैल को दोपहर ब्राह्मण समाज धर्मशाला में माता रेणुका पूजन एवं सुहागल कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें अधिक से अधिक महिलाओं की सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया है। इसी दिन शाम 4 बजे धर्मशाला से नगर के प्रमुख मार्गों पर भव्य वाहन रैली निकाली जाएगी। वहीं 19 अप्रैल को दोपहर सिरोंज चौराहा स्थित नौलखी धर्मशाला में भगवान परशुराम जी का विधि-विधान से पूजन, अर्चन एवं अभिषेक किया जाएगा। इसके बाद नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए बेदनखेड़ी स्थित धर्मशाला तक भव्य चल समारोह निकलेगा, जिसका समापन महाआरती के साथ होगा। आयोजन की समुचित व्यवस्था के लिए समाजसेवी अरविंद दुबे को प्रभारी नियुक्त किया गया है। उन्होंने समाज के सभी लोगों से सपरिवार एवं इष्ट-मित्रों सहित अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है।

सेंट एसआरएस पब्लिक स्कूल के चार विद्यार्थियों ने बनाई मेरिट सूची में जगह

गंजबासौदा। माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश द्वारा घोषित बोर्ड परीक्षा परिणामों में सैण्ट एसआरएस पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों ने एक बार फिर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सफलता का नया इतिहास रच दिया। विद्यालय के चार छात्र-छात्राओं ने प्रदेश एवं जिला मेरिट सूची में स्थान प्राप्त कर संस्था का नाम रोशन किया। कक्षा 12वीं गणित संकाय की छात्रा कुमारी तान्या शर्मा ने 500 में से 484 अंक प्राप्त कर प्रदेश प्रावीण्य सूची में 9वां स्थान हासिल किया। तान्या ने हिंदी एवं गणित विषय में 99 अंक प्राप्त कर विशेष उपलब्धि दर्ज की। कला संकाय की छात्रा श्रीप्रिया सोनी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं कक्षा 10वीं के छात्र मनीष कुमार विश्वकर्मा एवं जतिन कुमार ने 489 अर्जित कर जिले में प्रथम स्थान साझा किया। मनीष कुमार ने हिंदी एवं अंग्रेजी में 99अंक प्राप्त किए। विद्यालय के छात्र पिछले छह वर्षों से लगातार प्रदेश एवं जिला मेरिट सूची में स्थान बनाकर सफलता का इतिहास दोहरा रहे हैं। 12वीं में 106 छात्र प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण कक्षा 12वीं में कुल 115 विद्यार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए, जिनमें से 106 छात्र प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुए। इनमें 9 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक, 15 ने 85 से 90 प्रतिशत, 37 ने 75 से 85 प्रतिशत तथा 45 विद्यार्थियों ने 60 से 75 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। अन्य विद्यार्थियों में सिद्धांत सिंह गुर्जर ने संस्कृत में 99 एवं गणित में 100 अंक, पलक दांगी ने गणित में 99 अंक तथा रविंद्र कुशवाहा ने संस्कृत में 99 अंक प्राप्त किए। 10वीं में 102 छात्र प्रथम श्रेणी में पास हुए।संस्था प्रबंधन एवं समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने इस उत्कृष्ट परिणाम पर हर्ष व्यक्त करते हुए सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं।

सिरोंज-बीना हाइवे पर भटौली के पास हुआ सड़क हादसा

60 से ज्यादा सवारियों से भरी यात्री बस पलटी, 23 हुए घायल, 6 लोग गंभीर

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

सिरोंज से बंगला चौराहा जा रही तिरूपति टेऊब्रल्स की बस गुरूवार शाम को सिरोंज-बीना हाईवे पर ग्राम भटौली के पास पलट गई। दुर्घटना में 23 लोग घायल हुए हैं। इनमें से 6 को गंभीर अवस्था में रेफर किया गया है। यात्री बस शाम करीब 6.30 बजे सिरोंज से रवाना हुई थी। जब यह बस 7 किमी दूर भटौली की नदी की पुलिया के पास पहुंची तो इसके पहले ही सड़क से नीचे उतर कर पलट गई। अचानक हुई दुर्घटना से बस में हाहाकार मच गया। हाईवे से निकल रहे वाहन चालकों और ग्रामीणों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर यात्रियों को बाहर निकालना शुरू किया। यात्रियों को निकालने के लिए लोगों ने बस की खिड़कियों के कांच भी फोड़े। मौके पर पहुंची पथरिया पुलिस और 108 वाहन ने घायलों को सिरोंज के राजीव गांधी स्मृति चिकित्सालय पहुंचाया। जानकारी लगने पर विधायक उमाकांत शर्मा भी एसडीएम हरिशंकर विश्वकर्मा, एसडीओपी सोनू डाबर और रोशनी सिंह भी अस्पताल पहुंचे। उन्होंने दुर्घटना को लेकर मरीजों से चर्चा भी की और अस्पताल प्रबंधन को जरूरी निर्देश दिए।

हादसे में ये लोग हुए घायल

दुर्घटना में गंभीर घायल रामदयाल अहिरवार 50 भटौली, पूजाबाई आदिवासी बढ़ौदाताल 45, सालिगराम जोषी 38 करैयाहाट, अनामिका अहिरवार 18 दीपनाखेड़ा, लालू प्रजापति दीपनाखेड़ा 37 साल, विहान अहिरवार 5 माह रूसल्ली घाट को विदिशा रेफर किया गया है। इनके अलावा कमलदास बैरागी अशोक नगर, पिस्ताबाई अहिरवार रूसल्ली घाट, श्यामबाई अहिरवार रूसल्ली घाट, सियाबाई अहिरवार राजपुर, प्रीतिबाई जोशी करैयाहाट, अनीता अहिरवार सियलपुर, महेश रावत रायसेन, शानवी ठाकुर ललितपुर, सुनीता दांगी जगथर, गुड्डीबाई यादव विदिशा, शेरसिंह दांगी बामौरीशाला, इलियास खां एवं जाकिर बी सुल्तानपुर, दिलीपसिंह केवट दीपनाखेड़ा, प्रमिता केवट सांकला, रिषभ केवट सांकला, भूरीबाई अहिरवार दीपनाखेड़ा का सिरोंज अस्पताल में इलाज चल रहा है।

बस की सभी सीटें भरी थी और कुछ लोग खड़े भी थे

अस्पताल में इलाज करवाने पहुंचे बढ़ौदाताल निवासी मुंशीलाल और रायसेन निवासी महेष रावत ने बताया कि बस में करीब 60 यात्री थी। सभी सीटें भरी थी और कुछ लोग खड़े भी थे। ड्रायवर बहुत तेज गति से बस चला रहा था लेकिन बस पलटी कैसे यह समझ नहीं आया। घायलों में अधिकतर पथरिया और दीपनाखेड़ा थाना क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों के लोग हैं।

पांढुर्णा में छात्रों के लिए नई साइकिलों की खेप पहुंचीं, जल्द होगा वितरण

पांढुर्णा। दोपहर मेट्रो

स्कूली छात्रों की सुविधाओं के लिए 881 नई साइकिलों की खेप पंजाब से पहुंच गई है। इन साइकिलों को स्थानीय स्तर पर पुर्जे जोड़कर तैयार किया जा रहा है, ताकि जल्द ही इन्हें विद्यार्थियों तक पहुंचाया जा सके। साइकिलें लाल बहादुर स्कूल परिसर में असेंबल की जा रही हैं। इस प्रक्रिया से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि सभी साइकिलें गुणवत्ता मानकों के अनुरूप तैयार हों। साइकिल वितरण की तैयारी अंतिम चरण में है और जल्द ही चिन्हित छात्रों को साइकिलें वितरित कर दी जाएंगी।

भाजपा नेता ने थार से कार को मारी टक्कर, पूर्व सरपंच समेत बेटे की मौत, पड़ा था बेटी के पीछे

खंडवा। दोपहर मेट्रो

जिले में थार सवार भाजपा नेता की दादागीरी का मामला सामने आया है, यहां मूंदी थाना क्षेत्र में कनूद के पास तेज रफ्तार थार ने कार को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। कार पलटते हुए रोड के नीचे गहरे गड्ढे में जा गिरी। कार में बैठी जलवा बुजुर्ग ग्राम की पूर्व सरपंच कुसुम पति राजेंद्र राठौर (58) और उनके बेटे सौरभ (28) की मौत हो गई। जबकि बेची सारिका (25), बेटे रविंद्र (32), और रिश्तेदार रवींद्र पिता दिनेश (35) गंभीर रूप से घायल हो गए। थार सनावद का भाजपा नेता लवकुष राठौर चला रहा था। लवकुश के खिलाफ पहले पूर्व सरपंच के परिजनों ने थाने में शिकायत की थी। उन्होंने लवकुश पर आरोप लगाय था कि वह उनकी बेटी की शादी में रुकावच डाल रहा है। अब इस घटना को परिजन हादसा नहीं बल्कि हत्या बता रहे हैं।

घटना के बाद थार चालक लवकुश को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि लवकुश भाजपा का सक्रिय कार्यकर्ता है। उसका मुरुम का व्यापार है। सारिका के चचेरे भाई लक्की के मुताबिक बहन की शादी ठीकरी में तय हुई है। आने वाली 5 मई को उसकी शादी होने वाली है। लवकुश बहन के पीछे पड़ा हुआ है। वह उनकी शादी में अड़ंगा लगा रहा था। दो दिन पहले भी घर आकर धमका रहा था कि दूसरी जगह शादी नहीं होने दूंगा। जिसकी शिकायत मूंदी थाने में की गई थी। पुलिस ने बयान के लिए बुलाया था। इसलिए ताई, बहन सारिका और भाई सौरभ, रवींद्र भैया के साले रवींद्र पिता दिनेश निवासी देशगांव कार में बैठकर थाने जा रहे थे। कार सौरभ चला रहे थे। उसका कहना है कि केनूद रोड पर पहुंचे ही थे कि लवकुश सामने से थार लेकर आया। उसने कार को टक्कर मारी। फिर रिवर्स ली और दो बार टक्कर मारकर कार को रोड के नीचे गड्ढे में गिरा दिया। उसके बाद वह मौके से थार से ही भाग निकला। पुलिस के मुताबिक परिजनों का कहना है कि कार रवींद्र के साले रवींद्र पिता दिनेश की थी। उन्होंने घटना से एक दिन पहले ही कार शोरूम से निकलवाई थी। रवींद्र के परिजनों ने बताया कि जीजी और उनका परिवार घर आया।

जेवर तीन गुना करने के नाम पर ठगी करने वाले दो गिरफ्तार

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

स्टेशनगंज थाना क्षेत्र के ग्राम बांसकुवारी निवासी एक महिला के साथ जेवर तीन गुना करने का झांसा देकर ठगी करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने पकड़ा है। जिनके कब्जे से ठगा गया सारा सामान बरामद होने का दावा किया गया है। गुरुवार को एसपी डॉ. ऋषिकेश मीना ने एएसपी संदीप भूरिया, एसडीओपी मनोज गुप्ता की मौजूदगी में कार्रवाई का खुलासा किया। एसपी ने बताया कि ग्राम बॉसकुंवारी निवासी एक महिला को गांव के अजय मेहरा ने अपने साथी अनिल राय उर्फ मुल्ला बाबा के साथ मिलकर सोने-चांदी के जेवर तीन गुना करने का झांसा दिया। आरोपियों ने महिला को डराकर घर के सभी जेवर बुलवाए और बीते 14 मार्च की रात सुनसान स्थान पर रखवाकर फरार हो गए। घटना में करीब 10 लाख रुपए के जेवर हड़प लिए गए। मामले को गंभीरता से लेते हुए विशेष टीम का गठन किया। टीम ने तकनीकी साक्ष्य और मुखबिर सूचना के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू की।

आगरा में मिला मुल्ला बाबा

पुलिस की टीम ने जहां बांसकुवारी गांव में ही छिपे अजय मेहरा को पकड़ा और पूछताछ की। जिसने बताया

कि उसका साथी अनिल राय उर्फ मुल्ला बाबा आगरा में है तो पुलिस की एक टीम उसे आगरा से पकडकर लाई। आरोपियों के कब्जे से सोने-चांदी के जेवर, जिनकी कीमत करीब 10 लाख रुपए है, तथा 5 हजार रुपए नकद बरामद किए हैं।

अंधविश्वास व डर का बनाया माहौल

आरोपियों ने पुराने परिचय का फायदा उठाकर महिला का विश्वास जीता। अजय मेहरा ने अपने साथी को मुल्ला बाबा के रूप में प्रस्तुत कर उसे शक्तिशाली बताकर अंधविश्वास और डर का माहौल बनाया। इसके बाद महिला से घर के सभी जेवर एकत्रित कर सुनसान स्थान पर बुलाया गया और मौका पाकर आरोपी जेवर लेकर फरार हो गए। कार्रवाई में थाना प्रभारी स्टेशनगंज सौरभ पटेल, चौकी प्रभारी सिंहपुर संजय सूर्यवंशी सहित पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका रही। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि जेवर या धन को तीन गुना करने जैसे प्रलोभनों में न आएं, किसी भी बाबा या तांत्रिक के झांसे में न पड़ें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

वेदिका को वाणिज्य संकाय में मिला प्रदेश में 7वां स्थान

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

शहर के रावजी पथ स्थित शा.कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल की छात्रा वेदिका नेमा ने 12वीं में 96.8 प्रतिषत अंक प्राप्त कर वाणिज्य संकाय की प्रदेश की मेरिट में सातवां स्थान हासिल किया है। वेदिका के पिता शिवकुमार नेमा नमकीन का ठेला लगाते हैं और मां नीतू गृहणी है। उसका

एक बड़ा भाई और एक छोटी बहन भी है। अच्छे अंक के लिए स्कूल की पढ़ाई के साथ ही वेदिका ने ऑनलाइन कोचिंग का सहारा भी लिया। सफलता की जानकारी भी उन्हें ऑनलाइन कोचिंग के माध्यम से ही मिली। एकाउंट सब्जेक्ट में 99 अंक प्राप्त करने वाली वेदिका अब सिरोंज कॉलेज से ही बीसीए करेंगी।

मेट्रो एंकर

किसानों के हक के लिए तीसरे दिन भी डटी रही युवा कांग्रेस

एमएसपी तौल और पेयजल व्यवस्था को लेकर प्रशासन को दी चेतावनी

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

कृषि उपज मंडी समिति में किसानों की समस्याओं और अव्यवस्थाओं को लेकर युवा कांग्रेस का सत्याग्रह लगातार तीसरे दिन भी जारी रहा। आंदोलन के दौरान किसानों की उपज को अनिवार्य रूप से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर तौलने और मंडी परिसर में भीषण गर्मी के बीच ठंडे पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग प्रमुख रूप से उठाई गई।

मंडी परिसर में पेयजल संकट को देखते हुए युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कैम्पर से पानी पिलाने का अभियान चलाकर प्रशासन के खिलाफ विरोध दर्ज कराया। सत्याग्रह स्थल पर ठंडे पानी के कैम्पर रखकर किसानों को राहत दी गई। कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही शीतल जल की स्थायी व्यवस्था नहीं की गई, तो आंदोलन उग्र रूप ले सकता

है। सत्याग्रह को मजबूती देने के लिए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भी मंडी पहुंचे और किसानों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान प्रहलाद रघुवंशी, राजेश माहेश्वरी, विकास शर्मा, रानी अहिरवार, रवि तिवारी, सत्यप्रकाश सेन, कल्लू मामा, साबिर खान, उमेश तिवारी, जफर सियाख, इमारत सिंह, बंटी गुर्जर और संतोष अहिरवार सहित अनेक कांग्रेसजन मौजूद रहे। युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष आकाश शर्मा ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि यह संघर्ष किसानों के आत्मसम्मान और अधिकारों की लड़ाई है। उन्होंने कहा कि जब तक किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य नहीं मिलेगा और मंडी में मूलभूत सुविधाएं बहाल नहीं होंगी, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। साथ ही उन्होंने सभी किसानों और युवाओं से एकजुट होकर अपने हक के लिए आवाज उठाने का आह्वान किया।

न्यूज विंडो

ग्रामीणों ने सड़क निर्माण की मांग को लेकर मुडकी-शहडोल मार्ग को किया बाधित

डिंडौरी। डिंडौरी के लूटगांव में ग्रामीणों ने सड़क निर्माण की मांग को लेकर मुडकी-शहडोल मार्ग को बाधित कर दिया। इस दौरान सड़क के दोनों ओर कई वाहनों की कतारें लग गई। अधिकारियों की ओर से कार्रवाई का आश्वासन दिए जाने के बाद ग्रामीणों ने जाम खोला।दरअसल, प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत सड़क निर्माण में कथित अनियमितता को लेकर ग्रामीणों ने यह प्रदर्शन किया। सूचना मिलने पर पुलिस, नायब तहसीलदार और प्रधानमंत्री सड़क योजना के अधिकारी मौके पर पहुंचे।

शहडोल संभाग में सब्जी से लेकर धर्मकांटा तक गड़बड़ी का खुला खेल

शहडोल। जिले ही नहीं, पूरे शहडोल संभाग में नाप-तौल व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई नजर आ रही है। हालात ऐसे हैं कि विभाग ÷कोमा÷ में दिखाई दे रहा है और अधिकारी-कर्मचारी गहरी नींद में हैं। इसका खामियाजा आम जनता और छोटे व्यापारियों दोनों को भुगतना पड़ रहा है। शहर के विभिन्न बाजारों और फुटपाथ पर लगी सब्जी दुकानों में ग्राहकों को कम तौल देकर ठगा जा रहा है। आरोप है कि लोहे के बाट की जगह पत्थर के टुकड़े रखकर सब्जियां तोली जा रही हैं। इससे हर दिन सैकड़ों लोगों को आर्थिक नुकसान हो रहा है, लेकिन कार्रवाई के नाम पर सन्नाटा है। सिर्फ सब्जी मंडी ही नहीं, बल्कि बड़े स्तर पर चल रहे धर्मकांटों (वजन मापने वाले कांटे) में भी अनियमितताओं की शिकायतें सामने आ रही हैं। ट्रक चालकों और व्यापारियों का आरोप है कि कई स्थानों पर वजन में हेराफेरी कर अवैध वसूली की जा रही है। इससे परिवहन और व्यापार क्षेत्र पर सीधा असर पड़ रहा है। नाप-तौल विभाग का मुख्य काम समय-समय पर निरीक्षण करना और उपकरणों की वैधता जांचना होता है, लेकिन वर्षों से कोई ठोस अभियान नजर नहीं आ रहा। विभागीय उदासीनता के कारण दुकानदारों और संचालकों के हौसले बुलंद हैं।

नरवाई जलाने वालों पर कार्रवाई, अब तक 14 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

छिंदवाड़ा। जिले में गेहूं कटाई के साथ ही नरवाई (फसल अवशेष) जलाने के मामलों पर प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है। अब तक जिले में नरवाई जलाने के 14 मामलों में एफआईआर दर्ज की जा चुकी है, जबकि 497 घटनाएं सैटेलाइट के माध्यम से चिन्हित की गई हैं। प्रशासन लगातार निगरानी कर रहा है और दोषियों पर कार्रवाई की जा रही है। नरवाई जलाने के मामलों में विकासखंड अमरवाड़ा में 6, चौरई में 3, बिछुआ में 4 और परासिया में 1 एफआईआर दर्ज की गई है।

डोंगरियाकला पहाड़ी में अवैध ब्लास्टिंग से गांवों में दहशत

अनूपपुर। जिले के कोतमा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत डोंगरियाकला पहाड़ी में कथित रूप से अवैध ब्लास्टिंग का मामला सामने आया है। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि खनिज माफिया नियमों को दरकिनार कर लगातार विस्फोट कर रहे हैं, जिससे आसपास के गांवों में भय और असुरक्षा का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों के मुताबिक, पहाड़ी में सुबह से शाम तक अवैध ब्लास्टिंग की जा रही है। विस्फोटों की तीव्रता इतनी अधिक है कि आसपास के घरों में दरारें पड़ने लगी हैं और लोग हर समय अनहोनी की आशंका में जी रहे हैं। कई परिवारों ने अपने घर छोड़ने तक की बात कही है। बताया जा रहा है कि क्षेत्र में संगठित तरीके से अवैध खनन और ब्लास्टिंग का काम चल रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि यह सब खुलेआम हो रहा है, लेकिन खनिज विभाग और जिला प्रशासन इस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रहा। सूत्रों के अनुसार, ब्लास्टिंग में भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री का उपयोग किया जा रहा है। इससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। पहले भी इस तरह की घटनाओं में जनहानि की आशंका जताई जा चुकी है।

धार नगरपालिका डामर घोटाला: नियमों को ताक पर रख कर किया था भुगतान, पेंशन और वेतनवृद्धि रोकी

27 लाख की पैंचवर्क सामग्री खरीदी की जांच में मिला भ्रष्टाचार, रिटायर्ड सीएमओ समेत पांच पर गिरी गाज

धार। दोपहर मेट्रो

नगरपालिका परिषद धार में वर्ष 2019-20 के दौरान हुए बहुचर्चित डामर घोटाले में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। 27.87 लाख रुपये की सामग्री खरीदी में हुए भ्रष्टाचार और नियमों की अनदेखी के मामले में तत्कालीन सीएमओ विजय शर्मा सहित पांच अधिकारियों को दोषी पाया गया है।

जांच में खुलासा हुआ कि सड़कों के पेंचवर्क के लिए डामर खरीदी के दौरान न तो प्राक्कलन तैयार किए गए और न ही खुली निविदा आमंत्रित की गई। अधिकारियों ने नियमों को दरकिनार कर खंड-खंड स्वीकृतियां लीं और बिना माप पुस्तिका के ही लाखों का भुगतान कर दिया। स्टॉक रजिस्टर और इनवॉइस की तारीखों में भी भारी अंतर पाया गया।

जांच प्रतिवेदन के अनुसार 2019 से 2020 की अवधि में धार नगरपालिका परिषद ने मेसर्स चिमनलाल रतनलाल गांधी, मेसर्स मयंक आई.टी. सोल्यूशन सागर और मेसर्स चेतनदास कांट्रेक्टर एंड सप्लायर्स आदि से कुल लगभग 27 लाख 87 हजार 640 रुपयों की डामर सामग्री खरीदी थी, जांच में यह बात भी सामने आई है कि उक्त खरीदी में प्राक्कलन तैयार नही किया गया था साथ ही एक लाख रुपयों से अधिक की खरीदी के लिए खुली निविदा भी जारी नहीं की गई, गैर एसओआर सामग्री होने के बावजूद भी कोई पत्रक तैयार नही किया गया, निविदा समिति की दर अनुशंसा और परिषद से दर की सक्षम स्वीकृति प्राप्त नहीं की गई।

इन पर हुई कार्रवाई

तत्कालीन सीएमओ विजय कुमार शर्मा : लापरवाही पूर्वक भुगतान की स्वीकृति देने के कारण, सेवानिवृत्त हो चुके शर्मा की पेंशन पर मिलने वाले महंगाई भत्ते की 10 प्रतिशराशि 2 साल के लिए रोक दी गई है।

सहायक लेखाधिकारी अनुपम तिवारी: बिना सही परीक्षण भुगतान अनुमति देने पर 2 वेतनवृद्धियां रोकी गईं।

इंजीनियर राकेश बैनल: निविदा नियमों के उल्लंघन और बिना माप पुस्तिका भुगतान की कार्यवाही पर 2 वेतनवृद्धियां रोकी गईं।

सहायक राजस्व निरीक्षक परशराम डोडवाल व पुनीत तिवारी: स्टॉक प्रबंधन और वित्तीय अनियमितता के चलते इनकी भी 2-2 वेतनवृद्धियां रोकने के आदेश जारी हुए हैं।

खुलासा: कोर्ट जाएगा मामला

इस पूरे घोटाले को आरटीआई कार्यकर्ता सुनील सावंत ने उजागर किया था। सावंत ने बताया कि वे विभाग की इस कार्रवाई से संतुष्ट नहीं हैं और दोषियों के खिलाफ कड़ी सजा के लिए जल्द ही न्यायालय में याचिका दायर करेंगे। आयुक्त नगरीय प्रशासन ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि इन अधिकारियों की लापरवाही से निकाय को भारी आर्थिक क्षति हुई है।

अनुपस्थित चिकित्सकों पर कार्रवाई कलेक्टर ने कबाड़ हटाने के दिए निर्देश

सागर। दोपहर मेट्रो

जिले की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को जमीनी स्तर पर परखने के लिए कलेक्टर प्रतिभा पाल ने बुधवार को जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण किया। अचानक अस्पताल पहुंचीं कलेक्टर ने एक ओर जहां मरीजों और नवजातों के प्रति संवेदनशीलता दिखाई, वहीं दूसरी ओर लापरवाही बरतने वाले स्टाफ और अव्यवस्थाओं पर कड़ा रुख अख्तियार किया।

कलेक्टर ने अस्पताल के ओटी, इमरजेंसी, आईसीयू , एचडीयू और एसएनसीयू सहित जनरल, पीडिया वार्ड का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने भर्ती नवजात शिशुओं को दुलारा और उनके स्वास्थ्य के संबंध में डॉक्टरों से चर्चा की। प्रसूति वार्ड में उन्होंने महिलाओं से चर्चा कर अस्पताल में मिल रहे उपचार, निःशुल्क दवाइयों और भोजन की गुणवत्ता की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रसूताओं को शासन की योजनाओं का लाभ मिलने में कोई देरी नहीं होनी चाहिए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने पाया कि अस्पताल के कुछ कोनों में अनुपयोगी सामग्री (कबाड़) जमा है। उन्होंने निर्देश दिए कि अनुपयोगी सामग्री को ऑक्शन कर निष्कासित करें, ताकि अस्पताल में साफ-सफाई और खाली जगह का बेहतर प्रबंधन हो सके। उन्होंने निर्देशित किया कि जिले में रक्त की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रति माह नियमित रक्तदान कैंप आयोजित किए जाएं। कलेक्टर पाल ने कहा कि चिकित्सक और पैरामेडिकल स्टाफ अपने कर्तव्यों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करें। मरीज दूर-दराज से बड़ी उम्मीद लेकर यहां आते हैं। यदि कोई भी ड्यूटी से नदारद पाया गया या कार्यों में लापरवाही बरती गई, तो कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी, स्वास्थ्य जैसी महत्वपूर्ण सेवाओं में कोई कोताही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण शांति वाहन भेंट एवं रक्तदान शिविर संपन्न

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर स्थित आचार्य विद्यासागर दयोदय पशु सेवा केन्द्र, में हाल ही में संपन्न हुए निर्वाचन में सर्वसम्मति से संजय कुमार जैन पारसमणी को अध्यक्ष चुना गया। उनके नेतृत्व में संस्था के सुचारु संचालन एवं सेवा गतिविधियों के विस्तार हेतु नवगठित कार्यकारिणी का गठन किया गया। इस अवसर पर गोशाला के अनेक सदस्य एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। नवगठित कार्यकारिणी में विवेक कुमार चौधरी एवं संदीप कुमार मोदी को उपाध्यक्ष, अमरचंद जैन को महामंत्री, कुलदीप मोदी को कोषाध्यक्ष, विनोद कुमार जैन को मंत्री तथा ज्योति विवेक कुमार जैन को सहमंत्री के रूप में मनोनीत किया गया। इसके अतिरिक्त सतेन्द्र कुमार जैन को शिक्षक सचिव, रविन्द्र कुमार सिंघई को सह सचिव, विकास कुमार पांडे को प्रचार मंत्री, राहुल कुमार जैन को सह कोषाध्यक्ष, राजकुमार जैन सांगा को सह प्रचार मंत्री तथा प्रकाशचंद जैन (दमोह) को विधि सलाहकार नियुक्त किया गया। वहीं स्वाति आनंद सिंघई, ज्योति अनिल नायक एवं शरद गोयल को विशिष्ट सदस्य के रूप में शामिल किया गया। नवनिर्मित गौशाला समिति का शपथ ग्रहण समारोह गुरुवार को संतों के सानिध्य में भव्य रूप से संपन्न हुआ। कार्यक्रम में जगतगुरु स्वामी राघव देवाचार्य जी महाराज एवं महामंडलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानंद जी महाराज विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र सिंह लोधी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। विशिष्ट अतिथियों में जिला पंचायत अध्यक्ष रंजीत गौरव पटेल, नगर परिषद अध्यक्ष सुरेशचंद्र जैन, सांसद प्रतिनिधि मूरत सिंह, निर्मल मोदी एवं अरविंद मोदी सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित रहे।

डाक विभाग में लाखों का गबन

प्रभारी शाखा डाकपाल ने उड़ाई लाखों की राशि

विभाग की लाखों की राशि को स्वयं के निजी कार्यों में कर दिया खर्च

गंधवानी पुलिस ने दर्ज किया प्रकरण

कुक्षी। दोपहर मेट्रो

डाक विभाग के कुक्षी उपसंभाग के अंतर्गत आने वाले खोड शाखा डाकघर में वित्तीय अनियमितता और गबन का एक मामला सामने आया है। प्रभारी पद पर रहते हुए एक सहायक शाखा डाकपाल ने विभाग की लाखों की राशि का व्यक्तिगत उपयोग कर लिया। मामले की विभागीय जांच के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी और अमानत में खयानत की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

क्या है पूरा मामला

जानकारी के अनुसार, शिवा पिता रामदयाल, जो मूल रूप से खरबर्डी शाखा डाकघर में सहायक शाखा डाकपाल के पद पर पदस्थ है, उन्हें 14 मई 2025 से 31 मई 2025 की अवधि के लिए खोड शाखा डाकघर का प्रभार दिया गया था। इस दौरान शिवा ने पद का दुरुपयोग करते हुए डाकघर की 1 लाख ,76 हजार 500 रुपए की सरकारी राशि को डाक विभाग के खाते में जमा ना करते हुए स्वयं के निजी कार्यों में खर्च कर दिया।

जांच में हुआ खुलासा

उप संभागीय निरीक्षक ब्रजेश अहिरवार ने बताया कि गबन की आशंका होने पर कुक्षी उपसंभाग के उप संभागीय निरीक्षक ब्रजेश अहिरवार द्वारा इस पूरे मामले की गहन विभागीय जांच की गई। जांच के दौरान साक्षियों के कथन दर्ज किए गए और दस्तावेजों का मिलान किया गया, जिसमें गबन की पुष्टि हुई। निरीक्षक ब्रजेश अहिरवार द्वारा प्रस्तुत जांच प्रतिवेदन और सहायक लोक अभियोजन अधिकारी से प्राप्त कानूनी अभिमत के आधार पर, पुलिस ने आरोपी शिवा के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। विभागीय जांच में नकदी राशि के गबन की पुष्टि होने के बाद आरोपी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है।

झलक तिवारी व मोनिका यादव रहीं अव्वल

विद्यालय का नाम किया रोशन परीक्षा परिणाम में छात्राओं का रहा दबदबा

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

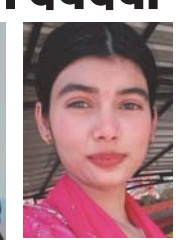

15 अप्रैल को घोषित हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी परीक्षा परिणामों में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। छात्राओं की इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है। हाई स्कूल परीक्षा में झलक तिवारी पिता माधव तिवारी ने 95.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं आशिया शाह पिता दिलावर शाह ने 93.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। तृतीय स्थान पर रोशनी विश्वकर्मा पिता गुड्डा विश्वकर्मा एवं रागिनी रजक पिता परषोत्तम रजक संयुक्त रूप से रहीं, जिन्होंने 92.4 प्रतिशत अंक अर्जित किए। इसी प्रकार हायर सेकेंडरी परीक्षा में भी छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन किया। मोनिका यादव पिता शैलेंद्र यादव ने 94.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। उनके इस उत्कृष्ट प्रदर्शन से विद्यालय का शैक्षणिक स्तर एक बार फिर उजागर हुआ है।

मेट्रो एंकर रोगी कल्याण समिति की बैठक में अध्यक्षता करते हुए कलेक्टर ने अस्पताल में व्यवस्था सुधार पर की चर्चा

संजीवनी क्लीनिक सुचारू करें, अस्पताल में पड़ा कबाड़ हटाएं

रतलाम। दोपहर मेट्रो

जिला अस्पताल के सभाकक्ष में रोगी कल्याण समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता कलेक्टर मिशा सिंह ने की। बैठक में सीएमएचओ को संजीवनी क्लीनिक का सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त, कलेक्टर सिंह ने अस्पताल में पानी और बिजली की व्यवस्था को दुरुस्त करने के संबंध में समिति सदस्यों से चर्चा कर आवश्यक निर्णय लिए।

कलेक्टर मिशा सिंह ने एमपीईबी के अधिकारियों को जिला चिकित्सालय का विद्युत ऑडिट कर वर्तमान लोड की जानकारी प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। उन्होंने सिविल सर्जन को लोड के अनुसार विद्युत उपकरणों की सुरक्षा के लिए यूपीएस/जनरेटर की व्यवस्था करने हेतु समिति के निर्णय अनुसार कार्रवाई करने के लिए भी निर्देशित किया। जनरेटर के संचालन के लिए डीजल के प्रस्ताव को समिति के समक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए गए।

ये भी दिए निर्देश

बैठक के बाद, जिला पंचायत सीईओ वैशाली जैन ने जिला अस्पताल के वार्डों का निरीक्षण किया। उन्होंने चौकी के समीप पड़े कबाड़ा मचुरी फ्रीजर को हटाने के निर्देश दिए। सीईओ जैन ने निर्माणाधीन अस्पताल बिल्डिंग के इंजीनियर से प्रगति की जानकारी ली और कैंटीन व्यवस्था के साथ-साथ बावड़ी का भी मुआयना किया। उन्होंने नगर निगम से जल विभाग के कर्मचारी बुलवाकर अस्पताल में पानी की व्यवस्था को लेकर भी चर्चा की।

ये रहे बैठक में मौजूद

बैठक में सिविल सर्जन डॉ. एमएस सागर, जो समिति के संयोजक भी हैं, वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. ममता शर्मा, वरिष्ठ विशेषज्ञ डॉ. बीएल तापडिया, महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी रामनिवास बुधौलिया, रोगी कल्याण समिति सदस्य मनोहर पोरवाल, उप संचालक जनसंपर्क अनुराधा गहरवाल, हेमंत राहोरी, उप संचालक सामाजिक न्याय संध्या शर्मा, प्रभारी सीएमएचओ डॉ. राजेश मण्डलोई, आरएमओ डॉ. अभिषेक अरोरा, डॉ. आरसी डामोर सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

बाइक सवार तीन युवकों ने दो नाबालिगों पर चाकू से हमला किया, प्रकरण दर्ज

बालाघाट। बालाघाट की कोतवाली थाना क्षेत्र के जागपुरघाट में देर रात तीन बाइक सवार युवकों ने दो नाबालिगों पर चाकू से हमला कर दिया। हमलावर उनका मोबाइल छीनकर फरार हो गए। घटना में घायल दोनों नाबालिगों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कार्यालय थाना प्रभारी हबीबगंज जिला भोपाल (म.प्र.)

क्रमांक / थाना/हबी.गंज/भोपाल/अप.क्र 185/26 दिनांक:-09.04.26

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सुचित किया जाता है कि थाना हबीबगंज भोपाल के अपराध क्रमांक 185/26 धारा 137(2)B.N.S में गुम / अपहृत बालिका स्नेहा राजपूत रामफल राजपूत उम्र 17 वर्ष निवासी म.न. सर्वेन्ट क्वाटर म.न.ई-4/38 अरेरा कालोनी हबीबगंज भोपाल दिनांक 25.03.26 से लापता निवासी म.न.ई-4/38 अरेरा कालोनी भोपाल हुलिया- रंग गोरा, ऊँचाई 5.2 फिट चेहरा गोल सिर के बाल काले है सफेद रंग की टीशर्ट काले रंग का लोबर पैरो में चप्पल पहने है जिसका फोटो उपरोक्त अनुसार है। अपहृत बालिका के संबंध में किसी प्रकार की कोई जानकारी हो तो थाना हबीबगंज भोपाल मे आकर संपर्क करे अथवा थाना मोवाईल नम्बर 9479990478 एवं विवेचना अधिकारी उप निरीक्षक अजय कुमार दुबे मो.न. 7049104221 पर संपर्क करे।

G-11641/26 थाना प्रभारी थाना हबीबगंज जिला भोपाल

संजीव गोयनका की टीम में कप्तानी आसान नहीं

केकेआर को जीत का इंतजार, शानदार लय में चल रही गुजरात से मिलेगी चुनौती

अहमदाबाद , एजेंसी

लगातार खराब प्रदर्शन के कारण दबाव में चल रही कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम आज आईपीएल में शानदार फॉर्म में चल रही गुजरात टाइटन्स के खिलाफ अपनी लय में लौटकर पहली जीत हासिल करने की कोशिश करेगी। कप्तान अजिंक्य रहाणे और कोच अभिषेक नायर के नेतृत्व में केकेआर की स्पष्ट रणनीति नजर नहीं आ रही है। उसे अब तक पांच मैच में से चार मैच में हार का सामना करना पड़ा है।

हर्षित राणा और आकाश दीप के चोटिल होने तथा बीसीसीआई के निर्देश पर मुस्तफिजुर रहमान को टीम से बाहर किए जाने के बाद टूर्नामेंट से पहले उसकी गेंदबाजी काफी कमजोर हो गई थी। उसके लिए हालांकि सबसे बड़ी चिंता सुनील नारायण और वरुण चक्रवर्ती जैसे स्पिन गेंदबाजों की खराब फॉर्म है। चक्रवर्ती इस टूर्नामेंट में अभी तक एक भी विकेट नहीं ले पाए हैं। केकेआर की समस्याएं मैदान के अंदर और बाहर के कुछ फैसलों के कारण बढ़ गई हैं। टिम सीफर्ट और रचिन रविंद्र जैसे खिलाड़ियों को टीम से बाहर रखने पर सवाल उठ रहे हैं, जबकि टॉस जीतने के बाद उनके फैसले भी समझ से परे हैं। पंजाब किंग्स के खिलाफ बारिश के कारण रद्द कर दिए गए मैच में रहाणे ने बल्लेबाजी का फैसला करके सभी को चौंका दिया, जबकि चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ उन्होंने ऐसी पिच पर पहले गेंदबाजी का फैसला किया जो गेंदबाजों के अनुकूल थी।

मुंबई इंडियंस के खिलाफ वह 220 रन के स्कोर का बचाव नहीं कर सकी जबकि सनराइजर्स हैदराबाद के हाथों 65 रन की हार ने उसकी समस्याएं और बढ़ा दी। इस तरह से केकेआर दिशाहीन टीम नजर आ रही है। अभी तक सारा ध्यान कैमरन ग्रीन पर रहा है जिन्हें आंद्रे रसेल की जगह भरने के लिए रिकॉर्ड 25.20 करोड़ रुपये में खरीदा गया था। ऑस्ट्रेलिया का यह ऑलराउंडर उस कीमत को सही ठहराने के लिए संघर्ष कर रहा है, लेकिन वह पांच पारियों में केवल 56 रन ही बना पाए हैं और गेंदबाजी में भी खास प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं। केकेआर के बल्लेबाजी क्रम में भी स्पष्टता नजर नहीं आती।

पिछले मैच में सुनील नारायण को पारी की शुरुआत करने के लिए भेजा गया जबकि रहाणे तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे लेकिन यह दोनों ही बदलाव कारगर साबित नहीं हुए।

गुजरात की गेंदबाजी मजबूत

गुजरात टाइटन्स की टीम भी अभी तक अपने घरेलू मैदान पर जीत हासिल नहीं कर पाई है। उसे अभी तक यहां खेले गए एकमात्र मैच में राजस्थान रॉयल्स से हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन इसके बाद उसने विरोधी टीम के मैदानों पर दो जीत हासिल की। उसकी गेंदबाजी मजबूत नजर आ रही है जिसमें प्रसिद्ध कृष्णा अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और राशिद खान ने अपनी लय वापस हासिल कर ली है। शुभमन गिल और जोस बटलर जैसे बल्लेबाजों के फॉर्म में आने से गुजरात टाइटन्स मजबूत नजर आ रही है।

सीएसके के लिए बड़ा झटका, खलील चोट के कारण आईपीएल से बाहर

नयी दिल्ली। सीएसके के तेज गेंदबाज खलील अहमद कूल्हे में चोट के कारण आईपीएल से बाहर हो गए हैं जो अपना अभियान पटरी पर लाने की कोशिश में जुटी इस फ्रेंचाइजी टीम के लिए करारा झटका है। खलील ने सीएसके की तरफ से अभी तक सभी पांच मैच में हिस्सा लिया है। उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ 14 अप्रैल को खेले गए मैच के दौरान अपने दाहिने कूल्हे में दर्द की शिकायत की थी। उन्होंने अब तक सीएसके की तरफ से अच्छा प्रदर्शन किया था और उसके गेंदबाजी आक्रमण के मुख्य सदस्य थे। आईपीएल के एक सूत्र ने बताया, ह ग्रेड दो की चोट है और इसे ठीक होने में कम से कम 10-12 सप्ताह का समय लगेगा। इस बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने भारत के लिए 11 वनडे और 18 टी20 मैच खेले हैं। भारत की तरफ से उन्होंने अपना आखिरी मैच जुलाई 2024 में खेला था।

हैदराबाद के गेंदबाज डेविड बाहर

सनराइजर्स हैदराबाद को बृहस्पतिवार को एक और झटका लगा जब इंग्लैंड के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज डेविड पेन टखने की चोट के कारण आईपीएल के बचे हुए सत्र से बाहर हो गए। पेन) सनराइजर्स हैदराबाद के लिए पहले दो मैच में खेले थे और उन्होंने दो विकेट झटके थे। सनराइजर्स हैदराबाद ने %एक्स% पर एक पोस्ट में लिखा, डेविड पेन टखने की चोट के कारण बचे हुए टाटा आईपीएल 2026 से बाहर हो गए हैं।

रियाल मैड्रिड को हराकर बायर्न म्यूनिख चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में

म्यूनिख, एजेंसी

बायर्न म्यूनिख ने अपने पुराने प्रतिद्वंद्वी रियाल मैड्रिड को हराकर चैंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। लुइस डियाज़ और माइकल ओलिस के आखिरी क्षणों में किए गए गोल की मदद से बायर्न म्यूनिख ने क्वार्टर फाइनल के दूसरे चरण में रियाल मैड्रिड पर 4-3 से जीत दर्ज की। बायर्न म्यूनिख ने पहला चरण 2-1 से जीता था। इस तरह से उसने कुल 6-4 के स्कोर से जीत हासिल करके सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की। डियाज ने 89वें मिनट और ओलिस ने स्टॉपेज टाइम के चौथे मिनट में गोल करके बायर्न म्यूनिख की जीत सुनिश्चित की। उसकी तरफ से अलेक्जेंडर पावलोविच (छठे) और हैरी केन (38वें) ने पहले हाफ में गोल किए थे। रियाल मैड्रिड की तरफ से अर्डा गुलेर ने दो (पहले और 29वें मिनट) तथा किलियन एमबाप्पे (42वें) ने गोल किए। रियाल मैड्रिड के खिलाड़ी 86वें मिनट में एडुवार्डो कैमाविंगा को लाल कार्ड देने के रेफरी के फैसले से संतुष्ट नहीं थे और उन्होंने मैच खत्म होने के बाद उन्हें घेर लिया। जिसके कारण गुलेर को लाल कार्ड दिखाया गया। बायर्न म्यूनिख सेमीफाइनल में मौजूदा चैंपियन पेरिस सेंट-जर्मेन से भिड़ेगा। दूसरा सेमीफाइनल आर्सेनल और एटलेटिको मैड्रिड के बीच खेला जाएगा। आर्सेनल ने बुधवार को एक अन्य क्वार्टर फाइनल में स्पोर्टिंग लिस्बन को 1-0 से हराया। इन दोनों टीम के बीच क्वार्टर फाइनल के दूसरे चरण का मैच गोलरहित रहा और इस तरह से आर्सेनल ने सेमीफाइनल में जगह बनाई।

इस आईपीएल के असली सिक्सर किंग तो रजत पाटीदार! सूर्यवंशी को भी पछाड़ा

नई दिल्ली , एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 15 अप्रैल को खेले गए मुकाबले में 5 विकेट से 29 गेंद शेष रहते हुए जीत दर्ज की। इस मुकाबले में पहले खेलते हुए लखनऊ की टीम ने 146 का स्कोर बनाया था। %प्लेयर ऑफ द मैच जोश हेजलवुड रहे, उन्होंने 4-0-20-1 का बेहद कंजूसी भरा बॉलिंग स्पेल फेंका। भुवनेश्वर कुमार (4-0-27-3), रसिक सलाम डार (4-0-24-4) और क्रुणाल पंड्या (4-0-38-2) ने भी गेंदबाजी से शानदार सहयोग दिया। वहीं बेंगलुरु के रनचेज में विराट कोहली ने 49 रनों की पारी खेली। कप्तान रजत पाटीदार 13 गेंदों पर 27 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली। इसें एक चौका और 3 छक्के शामिल रहे।

आईपीएल 2026 में सबसे ज्यादा छक्के किसके नाम?- रजत पाटीदार मौजूदा आईपीएल में सबसे ज्यादा छक्के मारने वाले खिलाड़ी हैं। अब तक (15 अप्रैल तक) हुए कुल 23 मैचों में रजत पाटीदार सबसे आगे हैं। उन्होंने 21 छक्के लगाए हैं। वहीं वैभव सूर्यवंशी ने 18 छक्के मारे हैं। इसके बाद अभिषेक शर्मा (13), ईशान किशन (12), रयान रिकेल्टन (12) हैं। यानी साफ है कि रजत पाटीदार छक्के मारने के मामले में सबसे आगे हैं।

आईपीएल 2026 में पाटीदार का प्रदर्शन कैसा रहा?

आईपीएल 2026 में रजत पाटीदार का प्रदर्शन अब तक बेहद प्रभावशाली और आक्रामक रहा है। RCB के कप्तान के तौर पर उन्होंने सिर्फ जिम्मेदारी ही नहीं निभाई, बल्कि बल्लेबाजी में भी फ्रंट से लीड किया है। पाटीदार ने अब तक 5 मैचों की 5 पारियों में 222 रन बनाए हैं, उनका एवरेज 55।50 का है, जो किसी भी टॉप-ऑर्डर बल्लेबाज के लिए शानदार माना जाता है।

अर्जेंटिना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी कानूनी विवाद में फंसे

फुटबॉलर ने पूरी नहीं की 7 मिलियन डॉलर की शर्त

नई दिल्ली, एजेंसी

अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी कानूनी विवाद में फंस गए हैं। मियामी की इवेंट कंपनी वीआईडी म्यूजिक ग्रुप ने मेसी और अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। मामला पिछले साल अक्टूबर में मियामी के हॉर्ड रॉक स्टेडियम में खेले गए अर्जेंटीना बनाम वेनेजुएला फ्रेंडली मैच से जुड़ा है।

कंपनी का आरोप है कि मेसी ने इस मैच में खेलने के लिए किए गए लगभग 7 मिलियन डॉलर के अनुबंध का उल्लंघन किया। समझौते के तहत उन्हें कम से कम 30 मिनट मैदान पर उतरना था, जब तक कि वे चोटिल न हों। हालांकि, मेसी ने मैच में हिस्सा नहीं लिया और स्टेडियम के एक लग्जरी सुइट से मुकाबला देखा। कंपनी का दावा है कि उनकी अनुपस्थिति से टिकट बिक्री, स्पॉन्सरशिप और ब्रॉडकास्ट रेवेन्यू पर बड़ा असर पड़ा, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हुआ।

मैच की व्यावसायिक सफलता से जुड़ी थी डील की अहम शर्त- वीआईडी म्यूजिक ग्रुप के वकील राल्फ पैटिनो के अनुसार, मेसी की भागीदारी इस डील की एक अहम शर्त थी और यह सीधे तौर पर मैच की व्यावसायिक सफलता से जुड़ी हुई थी। कंपनी ने अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन के साथ वेनेजुएला और प्यूर्टो रिको के खिलाफ दो मैत्री मैचों के प्रमोशन का करार किया था।

मेसी ने अटलांटा के खिलाफ दागे थे दो गोल

दिलचस्प यह है कि वेनेजुएला के खिलाफ मैच में नहीं खेलने के बावजूद मेसी अगले ही दिन मेजर लीग सॉकर में अपनी टीम इंटर मियामी सीएफ के लिए उतरे और अटलांटा के खिलाफ 4-0 की जीत में दो गोल दागे, और प्यूर्टो रिको के खिलाफ खेले गए दूसरे फ्रेंडली मैच में हिस्सा लिया। प्यूर्टो रिको मैच को पहले शिकागो में आयोजित किया जाना था, लेकिन टिकटों की कम बिक्री के चलते इसे मियामी शिफ्ट करना पड़ा। बाद में टिकट की कीमत घटाकर 25 डॉलर तक करनी पड़ी। एएफए ने इसके लिए इमिग्रेशन से जुड़ी समस्याओं को जिम्मेदार ठहराया। अपनी कप्तानी में अर्जेंटीना को पिछली बार विश्व चैंपियन बनाने वाले मेसी फीफा विश्व कप 2026 के लिए तैयार हैं। उनकी उम्र को देखते हुए उनका यह आखिरी विश्व कप हो सकता है।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

कई ट्रायल के बाद फाइनल हुआ लैला का लुक गली सीरीज के लिए हंसिका ने की कड़ी मेहनत

मुंबई । फिल्म और वेब सीरीज की दुनिया में किसी किरदार को यादगार बनाने के लिए सिर्फ अच्छी एक्टिंग ही काफी नहीं होती, बल्कि उस किरदार का लुक, पहनावा और पूरा व्यक्तित्व भी उतना ही मायने रखता है। दर्शक तभी उस किरदार से जुड़ पाते हैं। इन्हीं सबको ध्यान में रखते हुए अभिनेत्री हंसिका मोटवानी ने भी अपनी आने वाली सीरीज गली की तैयारी की है। उन्होंने अपने किरदार के लिए किए गए ट्रांसफॉर्मेशन को लेकर खुलकर बात की। हंसिका मोटवानी जल्द ही प्राइम वीडियो पर रिलीज होने वाली इस सीरीज में लैला नाम का किरदार निभाती नजर आएंगी।

इस किरदार को खास बनाने के लिए हंसिका ने काफी मेहनत की। उन्होंने कहा, लैला का लुक तैयार करने में काफी मेहनत लगी। यह एक बार में तय नहीं हुआ, बल्कि इसके लिए कई बार ट्रायल किए गए। इस किरदार में कई अलग-अलग पहलू हैं, इसलिए उसका लुक भी उसी हिसाब से तैयार करना जरूरी था। लगभग 3 से 4 बार अलग-अलग टेस्ट करने के बाद फाइनल लुक तय किया गया।

हंसिका ने कहा, %%लैला का स्वभाव और उसकी पर्सनैलिटी उसके लुक को तय करने में सबसे अहम भूमिका निभाते हैं। इस किरदार में एक खास नजाकत और तहजीब है, जिसे उसके कपड़ों और स्टाइल के जरिए दिखाना जरूरी था, इसलिए उसके पहनावे को काफी सोच-समझकर डिजाइन किया गया, ताकि वह किरदार के हर पहलू को सही तरीके से दर्शा सके। मेरा मानना है कि किसी भी किरदार की पहचान सिर्फ उसके डायलॉग से नहीं, बल्कि उसके पूरे लुक से बनती है।

प्रोसेस में टीम वर्क बहुत जरूरी

उन्होंने आगे कहा, इस पूरे प्रोसेस में टीमवर्क बहुत जरूरी था। मैंने और सीरीज के डायरेक्टर ने मिलकर इस लुक पर काम किया। दोनों के पास अपने-अपने विचार थे। मैंने भी अपने सुझाव दिए और डायरेक्टर ने भी अपनी सोच साझा की, जिन्हें मिलाकर एक ऐसा लुक तैयार किया गया, जो किरदार के साथ पूरी तरह फिट बैठता है। हंसिका मोटवानी ने कहा, जब कोई कलाकार अपने किरदार को अंदर से समझ लेता है, तब उसका बाहरी रूप भी अपने आप सही दिशा में ढलने लगता है।

मेट्रो बाजार

निर्यात में वृद्धि और सेवाओं के अधिशेष के चलते भारत का व्यापार घाटा कम हुआ: रिपोर्ट

नई दिल्ली । भारत की बाहरी आर्थिक स्थिति मार्च 2026 में मजबूत बनी रही, क्योंकि सामान (गुड्स) का व्यापार घाटा घटकर 21 अरब डॉलर रह गया। यह गिरावट मुख्य रूप से कीमती धातुओं के आयात में तेज कमी और निर्यात में सुधार के कारण आई। वहीं, मजबूत सर्विस सेक्टर का अधिशेष (सरप्लस) लगातार इस घाटे को संतुलित करने में मदद करता रहा। एमके ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। इस रिपोर्ट के अनुसार, मार्च के दौरान भारत का कुल आयात लगभग 6 प्रतिशत घटकर 59.6 अरब डॉलर रह गया, जबकि कुल निर्यात 6 प्रतिशत बढ़कर 38.9 अरब डॉलर पहुंच गया। इसी दौरान नेट सर्विस एक्सपोर्ट बढ़कर 18.2 अरब डॉलर हो गया और पूरे वित्त वर्ष 2026 में इसमें 13 प्रतिशत की अच्छी वृद्धि देखी गई। ध्यान देने वाली बात यह है कि कच्चे तेल के दाम बढ़ने के बावजूद तेल आयात में करीब 6 प्रतिशत की मासिक गिरावट आई। इसका कारण होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से आयात की मात्रा में 35-40 प्रतिशत की गिरावट माना जा रहा है। वहीं वित्त वर्ष 2026 में कुल निर्यात में 1 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिसमें अमेरिका के टैरिफ के असर को नए बाजारों में निर्यात बढ़ाकर संतुलित किया गया। गुड्स ट्रेड डेफिसिट में कमी का बड़ा कारण सोने के आयात में 59 प्रतिशत और चांदी के आयात में 63 प्रतिशत की गिरावट रहा।

भारतीय परिवारों के पास दुनिया का 11-16 % सोना यूएसए, जर्मनी -इटली के संयुक्त गोल्ड रिजर्व से भी अधिक

नई दिल्ली । दुनिया की सभी खदानों से अब तक निकाले गए सोने में से 11-16 प्रतिशत भारतीय परिवारों के पास है। यह यूएएस, जर्मनी, इटली और रूस के संयुक्त गोल्ड रिजर्व से भी अधिक है। यह जानकारी, अक्षय तृतीया (19 अप्रैल) से पहले गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई। डिजिटल निवेश प्लेटफॉर्म इनक्रेड मनी की रिपोर्ट में कहा गया कि भारत के प्रत्येक तीन परिवारों में से एक परिवार स्वेच्छा से दीर्घकालिक संपत्ति के रूप में सोना रखता है। अपने पीक पर, भारतीय परिवारों के पास मौजूद सोने का अनुमान देश के सकल घरेलू उत्पाद के 100 प्रतिशत से अधिक था। रिपोर्ट में कहा गया है, भारत में कई पीढ़ियों से सोना रखने की धारणा मुद्रास्फीति चक्रों, मुद्रा संकटों और भू-राजनीतिक झटकों के माध्यम से विकसित हुई है। सोना हमेशा से भारत की मूल वैकल्पिक परिसंपत्ति रहा है।÷ रिपोर्ट में कहा गया कि मार्च 2025 और मार्च 2026 के बीच सोने में 90 प्रतिशत की वृद्धि, 2022 से केंद्रीय बैंकों द्वारा प्रतिवर्ष 1,000 टन से अधिक सोने की निरंतर खरीद और 2022 में रूस के 300 अरब डॉलर के विदेशी मुद्रा भंडार को फ्रीज करने जैसे नीतिगत कदमों के कारण हुई, जो डॉलर-मूल्य वाली परिसंपत्तियों के जोखिमों को दिखाता है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने लंदन से अपने गोल्ड रिजर्व वापस मंगवा लिए हैं और चीन द्वारा 2025 तक अपनी सबसे बड़ी बीमा कंपनियों को अपनी परिसंपत्तियों का 1 प्रतिशत तक भौतिक सोने में निवेश करने का अनिवार्य निर्देश भी इसी दिशा में संकेत देता है। चीन की इस नीतिगत पहल से तीन वर्षों में 45-53 अरब डॉलर, या लगभग 630-750 टन सोना, पुनर्निर्देशित किया जा सकता है, जो प्रभावी रूप से प्रतिवर्ष खनन किए गए कुल सोने का 15-20 प्रतिशत है।

घर की खामोशी भी देती है सुकून, सिद्धांत गुप्ता ने बताया जम्मू से दिल का कनेक्शन

मुंबई । आज के समय में हर कोई अपने काम और सपनों को पूरा करने के लिए अपनी जड़ों से दूर होता जा रहा है। खासकर फिल्म और मनोरंजन की दुनिया में कलाकारों के लिए यह दूरी और भी यादा महसूस होती है। इसी एहसास को लेकर अभिनेता सिद्धांत गुप्ता ने अपने विचार साझा किए। उन्होंने अपने होमटाउन जम्मू में बिताए पलों को याद किया।

सिद्धांत गुप्ता ने कहा, जम्मू में मेरा बचपन बहुत ही साधारण लेकिन खुशियों से भरा गुजरा था। उस समय सोशल मीडिया जैसी चीजें नहीं थीं, इसलिए हर समय खेल-कूद और छोटे-छोटे क्रिएटिव कामों में बीतता था। मैं अपने भाई के साथ अखबार से रॉकेट बनाकर खेलता था। ये यादें आज भी मेरे दिल के बेहद करीब हैं। इन यादों में एक सादगी है, जो आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में कहीं खो सी गई है।

उन्होंने कहा, ÷मैं साल में कम से कम दो बार जम्मू जरूर जाता हूं, खासतौर पर दिवाली के समय। एक कलाकार के तौर पर हर नए किरदार के साथ मेरी सोच और नजरिया बदलता रहता है, लेकिन जब मैं अपने घर लौटता हूं, तो मुझे खुद को फिर से समझने का मौका मिलता है। जम्मू मेरे लिए सिर्फ एक जगह नहीं बल्कि पहचान का अहम हिस्सा है।÷अपने अनुभव साझा करते हुए उन्होंने कहा, जम्मू में बिताया गया समय मेरे लिए बेहद खास होता है। वहां परिवार के साथ बैठकर हंसना, पुरानी बातें करना, कभी-कभी विचारों में मतभेद होना, हल्की-फुल्की नोकझोंक और यहां तक कि बिना किसी खास बात के बातचीत करना भी मुझे सुकून देता है। जब कहने के लिए कुछ नहीं बचता, तब भी वहां का सन्नाटा मुझे अच्छा लगता है।

अमेरिका का सैन्य दबाव और सुलह की कोशिश साथ-साथ मुमकिन नहीं

वॉर एनालिसिस

● राजेश सिरोठिया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प बार बार ईरान जंग रोकने के एकतरफा दावे कर रहे हैं, लेकिन साथ में वेस्ट एशिया में तैनात उनकी सेना युद्ध की बढ़ चढ़कर तैयारियों से रणनीतिक दवाब का खेल खेल रही है । ट्रम्प जो भी दावा करते हैं उसकी पुष्टि ईरान या चीन नहीं करते । या फिर उनकी बात को सिरे से ख़ारिज कर देते हैं। यानी अमरीका जैसे दुनिया के सबसे बड़े ताकतवर देश के मुखिया ट्रम्प न तो अपनी जुबान से निकले शब्दों की रक्षा कर पा रहे हैं और न अपने देश की साख को कायम रख पा रहे हैं ।

इसकी सबसे ताजा बानगी के रूप में उनका बीती रात का दावा है। ट्रम्प का कहना है कि ईरान अपने एनरिच्ड (संवर्धित) यूरेनियम का भंडार अमेरिका को सौंपने के लिए तैयार हो गया है। अमेरिका का मानना है कि इसका इस्तेमाल परमाणु हथियार बनाने में हो सकता है। लेकिन ईरान ने इसे सिरे से ख़ारिज करते हुए इसे हवाई किला बताया है । ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से यह भी कहा कि दोनों देश शांति समझौते के काफी करीब हैं।

'ट्रम्प ने कहा कि अगर यह डील हो जाती है, तो तेल की सप्लाई शुरू हो जाएगी, होर्मुज स्ट्रेट खुला रहेगा और हालात सामान्य हो जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि अगर समझौता इस्लामाबाद में होता है, तो वे पाकिस्तान की यात्रा भी कर सकते हैं।'

हालांक ईरानी मीडिया ने ट्रम्प को नकार दिया है । ईरानी सरकार के हवाले से कही गई बात को सही माने या ट्रम्प को ? यह सवाल पूरी दुनिया को परेशान कर रहा है । फ्रांस के राष्ट्रपति इमानुअल मैक्रो ने भारतीय पीएम को बताया है कि यूरोप के पास दो हफ्ते का ईधन बचा है और इधर ट्रम्प ख़याली पुलाव पकाने में मशगूल हैं । उधर अमरीकी सेंट्रल कमांड कह रही है कि उसके सैनिक सुलह नहीं होने पर फिर हमले को तैयार हैं। सवाल यही है कि सैन्य दवाब और सुलह के सपने एक साथ कैसे परवान चढ़ सकते हैं ?

यूएसए रक्षा खुफिया प्रमुख का दावा और इरादा: अमेरिकी रक्षा खुफिया एजेंसी के प्रमुख जेम्स एडम्स ने ख़ुफ़िया खुफिया आकलन के हवाले से कहा कि हमलों के बावजूद ईरान के करीब आधे मिसाइल लॉन्चर अभी भी सुरक्षित हैं और उसके पास बड़ी संख्या में मिसाइलें और ड्रोन मौजूद हैं। यूनाइटेड स्टेट सेंट्रल कमांड ने गुरुवार को कहा कि पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैना पोजिशन पर तैनात हैं और पूरी तरह तैयार हैं। सेंटकॉम ने एक्स पर एक तस्वीर शेयर की है जिसमें अमेरिकी वायुसेना के ऐफ -16 लड़ाकू विमान क्षेत्र में अपनी तैयारियों का प्रदर्शन कर रहे हैं। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, मिडिल ईस्ट में तैनात सैनिक फिर से हथियारों से लैस हो रहे हैं और अगर ईरान के साथ बातचीत फेल होती है, तो वे दोबारा लड़ाई के लिए तैयार हैं।

28 फरवरी से शुरू हुए संघर्ष के बाद ईरान समर्थित शिया मिलिशिया समूह अमेरिकी ठिकानों पर सैकड़ों हमले कर चुके हैं।

ईरानी परमाणु क्षमता पर आईएईए की रपट

अंतरराष्ट्रीय एजेंसी IAEA की रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान के पास कुल मिलाकर करीब 5 से 6 टन के बीच एनरिच्ड यूरेनियम मौजूद है। हालांकि, यह इतना एनरिच्ड नहीं है कि इससे परमाणु हथियार बन सके। अभी 120 से 130 किलोग्राम के आसपास 60 फ़ीसदी तक एनरिच्ड किया जा चुका है। अगर यह एनरिच्डमेंट 90 फ़ीसदी तक कर लिया गया तो इससे परमाणु हथियार बनाया जा सकता है। यूरेनियम एक ऐसा पदार्थ है, जिससे परमाणु ऊर्जा भी बनाई जा सकती है और परमाणु बम भी। फर्क सिर्फ इस बात से पड़ता है कि उसे कितना एनरिच यानि कि शुद्ध किया गया है।' प्राकृतिक यूरेनियम में काम का हिस्सा बहुत कम होता है, इसलिए उसे मशीनों (सेंट्रीफ्यूज) के जरिए स्टेप बाय स्टेप शुद्ध किया जाता है। इसी प्रक्रिया को 'यूरेनियम एनरिचमेंट' कहते हैं।

इज़राइल और लेबनान पर भी शर्तों भरा दावा

ट्रम्प की माने तो इजराइल और लेबनान 10 दिन के सीजफायर पर राजी हो गए हैं। यह युद्धविराम भारतीय समयानुसार गुरुवार देर रात 3:30 बजे से लागू हो गया है। ट्रम्प ने सोशल पोस्ट कर बताया कि उन्होंने लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ औन और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बातचीत की, जिसके बाद यह सहमति बनी। लेकिन इसकी राह भी शर्तों से भरी है । अमेरिकी विदेश विभाग के मुताबिक, इजराइल को आत्मरक्षा का अधिकार रहेगा, लेकिन वह लेबनान के खिलाफ जमीन, हवा या समुद्र से कोई आक्रामक कार्रवाई नहीं करेगा। वहीं लेबनान सरकार पर दबाव है कि वह हिजबुल्लाह को इजराइल पर हमले करने से रोके। हालांकि हिजबुल्लाह पर उसका सीधा नियंत्रण नहीं है।

न्यूज विंडो

वर्जीनिया के पूर्व लेफ्टिनेंट गवर्नर ने पत्नी की हत्या कर खुद को मारी गोली

रिचमंड। वर्जीनिया के पूर्व लेफ्टिनेंट गवर्नर जस्टिन फेयरफैक्स से जुड़ी एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। पुलिस और कोर्ट रिकॉर्ड के अनुसार, फेयरफैक्स ने गुरुवार को अपनी अलग रह रही पत्नी की गोली मारकर हत्या कर दी और इसके बाद खुद भी आत्महत्या कर ली। यह घटना वाशिंगटन, डीसी के एनांडेल स्थित उनके घर की बताई जा रही है।

फेयरफैक्स काउंटी पुलिस प्रमुख केविन डेविस ने बताया कि 47 साल के जस्टिन फेयरफैक्स और उनकी 49 साल की पत्नी डॉ. सेरिना फेयरफैक्स का शव उनके घर से बरामद किया गया। जांच के अनुसार, फेयरफैक्स ने अपनी पत्नी को घर के बेसमेंट में गोली मारी और फिर ऊपर जाकर खुद को भी गोली मार ली। इस घटना की सूचना उनके बेटे ने 911 पर कॉल करके दी। यह दंपती पिछले दो सालों से अलग रह रहे थे, हालांकि दोनों अपने दो बच्चों के साथ उसी घर में थे। घटना के समय बच्चे भी घर में मौजूद थे, जिससे इस हादसे का मानसिक प्रभाव और गंभीर माना जा रहा है।

चारधाम यात्रा के लिए आज से ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन शुरू

ऋषिकेश। चारधाम यात्रा के लिए शुक्रवार से ऑफलाइन पंजीकरण शुरू हो जाएंगे। ट्रांजिट कैंप में 24 और आइएसबीटी में छह काउंटर पर पंजीकरण होगा।पंजीकरण के लिए महिला और पुरुषों के लिए अलग-अलग काउंटर बनाए गए हैं। ट्रांजिट कैंप में दिन भर काउंटर शुरू करने, यात्रियों के बैठने के लिए टैंट लगाने का काम चलता रहा।19 अप्रैल को यमुनोत्री और गंगोत्री धाम के कपाट खुलने के साथ ही इस साल की चारधाम यात्रा शुरू हो जाएगी। यात्रियों के लिए पंजीकरण की व्यवस्था अनिवार्य की गई है। तीर्थयात्री ऑनलाइन या ऑफलाइन पंजीकरण करा सकते हैं। ऑनलाइन पंजीकरण छह मार्च से शुरू हो चुका है।ऑफलाइन पंजीकरण शुक्रवार को सुबह पांच बजे शुरू हो जाएगा। इसके लिए ट्रांजिट कैंप में 24 काउंटर बनाए गए हैं। आइएसबीटी में छह काउंटर पर पंजीकरण होगा।30 मोबाइल टीम भी ऑफलाइन पंजीकरण के लिए बनाई गई हैं। यह टीमें उन होटल-धर्मशालाओं में पंजीकरण कराएगी, जहां अधिक यात्री होंगे।

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे: कम किराए के साथ मिलेगी लग्जरी सुविधा

देहरादून। उत्तराखंड परिवहन निगम (रोडवेज) दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे से जाने वाली बसों में लग्जरी सुविधा के साथ कम किराये में सफर कराएगा।रोडवेज ने एक्सप्रेसवे से दिल्ली जाने वाली वाल्वो, एसी, साधारण बसों का किराया निर्धारित कर दिया है। सर्वे के बाद वाल्वो का किराया 709, एसी का 557, साधारण बसों का किराया 355 रुपये तय किया गया है। आज से बसों का विधिवत संचालन शुरू हो गया है। बसें शामली होते हुए दिल्ली आइएसबीटी जाएंगी।दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर निगम की 16 बसें चलाई जाएंगी। जिसमें आठ वाल्वो, छह एसी, दो साधारण बसें शामिल हैं। बीते मंगलवार को दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे के लोकार्पण के बाद निगम ने भी यात्रियों के लिए बस संचालन का फैसला लिया।सर्वे टीम एक्सप्रेसवे से दिल्ली के रवाना होकर देहरादून लौटी।

बंगाल की यह हाई-प्रोफाइल सीट राजनीतिक रूप से है बेहद अहम

सिलीगुड़ी में बीजेपी बचा पाएगी अपना गढ़ या दीदी का दांव पड़ेगा भारी!

सिलीगुड़ी , एजेंसी

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में दार्जिलिंग जिले की सिलीगुड़ी सीट इस बार काफी चर्चा में है। बंगाल की यह हाई-प्रोफाइल सीट राजनीतिक रूप से बेहद अहम मानी जाती है, जहां इस बार बीजेपी और तृणमूल कांग्रेस में कड़ा मुकाबला देखने को मिल सकता है। राज्य की 294 विधानसभा सीटों के लिए मतदान 23 और 29 अप्रैल को दो चरणों में होगा, जबकि मतगणना 4 मई को की जाएगी। सिलीगुड़ी सीट पर भी पहले चरण में मतदान होगा, जिससे यहां चुनावी हलचल तेज हो गई है।

सिलीगुड़ी से यह हैं उम्मीदवार

TMC ने गौतम देब को अपना उम्मीदवार बनाया है, जबकि BJP ने शंकर घोष को मैदान में उतारा है। इस मुकाबले में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के शरदिंदु चक्रवर्ती और कांग्रेस का प्रतिनिधित्व कर रहे आलोक धारा भी शामिल हैं।

हाल के चुनावों में बीजेपी के शानदार प्रदर्शन और पिछले चुनाव में जीत के अंतर को देखते हुए, तृणमूल कांग्रेस के लिए 2026 के विधानसभा चुनावों में सिलीगुड़ी सीट पर कब्जा करना बहुत मुश्किल काम है।

कैसे रहे बीते चुनावों के नतीजे: सिलीगुड़ी दार्जिलिंग लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है और दार्जिलिंग जिले में स्थित है। 2021 के विधानसभा चुनावों में, BJP उम्मीदवार शंकर घोष ने TMC के ओमप्रकाश मिश्रा को 35,586 वोटों के अंतर से हराकर जीत हासिल की। 2024 के लोकसभा चुनावों में, BJP ने इस क्षेत्र में अपनी पकड़ बनाए रखी।

मोदी की रैली के बाद चुनाव प्रचार ने पकड़ा जोर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली के बाद यहां चुनाव प्रचार ने जोर पकड़ लिया। अपने भाषण के दौरान पीएम मोदी ने TMC की आलोचना करते हुए उस पर फूट डालने वाले तत्वों का समर्थन करने और ऐसे प्रतिनिधियों को संसद भेजने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी बताया कि अगर राज्य में BJP की सरकार बनती है, तो महिलाओं के कल्याण के लिए कौन-कौन से कदम उठाए जाएंगे।

उसके उम्मीदवार राजू बिस्टा ने दार्जिलिंग संसदीय सीट पर जीत हासिल की और TMC के गोपाल लामा को 1,78,525 वोटों के अंतर से हराया।

चुनाव आयोग के अनुसार, 2021 के विधानसभा चुनावों में सिलीगुड़ी में कुल 2,28,406 पंजीकृत मतदाता थे। इनमें 1,15,917 पुरुष और 1,12,483 महिला मतदाता शामिल थे, साथ ही तीसरे लिंग श्रेणी के छह मतदाता भी थे।

सिलीगुड़ी सीट का इतिहास

पहले सिलीगुड़ी को सिलीगुड़ी-कुर्सियांग के नाम से जाना जाता था और 1951 और 1957 दोनों चुनावों में यह दो सदस्यों वाली सीट थी, बाद वाले चुनाव में इसका नाम बदलकर सिलीगुड़ी कर दिया गया। 1951 में कांग्रेस पार्टी और एक निर्दलीय को जीत मिली, जबकि 1957 में यह सीट कांग्रेस और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के खाते में चली गई। 1962 से सिलीगुड़ी एक मेंबर वाली सीट बनी। CPI ने यहां से 8 बार जीत हासिल की है, जिसमें 1977 और 2006 के बीच लगातार सात जीत शामिल हैं। कांग्रेस ने चार बार यह सीट जीती है। अखिल भारतीय गोरखा लीग, तृणमूल कांग्रेस और बीजेपी ने भी एक-एक बार यह सीट जीती है।

पाकिस्तान: गैस पाइपलाइन में भीषण विस्फोट, 8 की मौत

पेशावर , एजेंसी

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत एक औद्योगिक क्षेत्र में गैस पाइपलाइन में जोरदार विस्फोट हो गया, जिसमें कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई। यह घटना जिले के हत्तर इंडस्ट्रियल एस्टेट में 'ग्रैंड ट्रंक रोड' के पास स्थित एक कारखाने के निकट हुई।

विस्फोट के बाद लगी आग

बताया जा रहा है कि विस्फोट इतना तेज था कि तुरंत भीषण आग लग गई, जो आसपास के इलाके में तेजी से फैल गई। आग की चपेट में एक निकटवर्ती मकान भी आ गया, जिससे नुकसान और बढ़ गया तथा बचाव कार्य जटिल हो गया। पाकिस्तान की आपातकालीन सेवा 'रेस्क्यू 1122' के अधिकारियों ने बताया कि इस दुर्घटना में आठ लोगों की मौत हो गई। कई अन्य लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं। हरिपुर के जिला पुलिस अधिकारी ने बताया कि आग के तेजी से फैलने के दौरान कम से कम चार महिलाओं और छह बच्चों को सुरक्षित बचा लिया गया। उन्होंने कहा कि कई महिलाएं और बच्चे गंभीर रूप से झुलस गए हैं और बचाव कार्य अभी भी जारी है।

दम घुटने से हुईं मौतें

हरिपुर के उपायुक्त वसीम अहमद ने कहा कि अधिकांश मौतों का मुख्य कारण दम घुटना प्रतीत होता है। घटना स्थल पर राहत और बचाव कार्य जारी है। घायलों को अस्पताल भेजवा कर उनका इलाज कराया जा रहा है। गैस पाइपलाइन में धमाका की वजहों को फिलहाल पता नहीं चल सका है। विस्फोट इतना तेज था कि आसपास के क्षेत्रों में भी उसकी आवाजें सुनी गईं।

ग्वालियर में बाग वाले हनुमान मंदिर के सेवादार पर हमला, गले और सीने में किए चाकू से वार

ग्वालियर। सिरोल क्षेत्र के डोंगरपुर गांव स्थित बाग वाले हनुमान मंदिर में देर रात सनसनीखेज वारदात सामने आई, जहां मंदिर के सेवादार योगेंद्र दास महाराज पर सोते समय अज्ञात हमलावरों ने चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में उनके गले और सीने पर गंभीर चोटें आई हैं, जिसके बाद उन्हें पहले मुरार जिला अस्पताल और फिर हजार बिस्तर अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में मंदिर की गद्दी को लेकर चल रहे विवाद को भी इस हमले से जोड़कर देखा जा रहा है।

सोते समय किया गया हमला

जानकारी के अनुसार घटना देर रात की है, जब योगेंद्र दास महाराज मंदिर में पट बंद होने के बाद सो रहे थे। इसी दौरान तीन हमलावर वहां पहुंचे और कंबल हटाकर उन पर चाकू से एक के बाद एक तीन वार किए। हमले में उनके गले और सीने पर गहरी चोटें आईं। शोर मचाने पर हमलावर मौके से फरार हो गए।

अस्पताल में कराया भर्ती: घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों और शिष्यों को सूचना दी गई, जो तत्काल मौके पर पहुंचे। गंभीर रूप से घायल सेवादार को पहले मुरार जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत को देखते हुए उन्हें हजार बिस्तर अस्पताल रेफर कर दिया गया। फिलहाल उनका इलाज जारी है।

मप्र में पॉक्सो प्रकरण का ट्रायल पूरा होने में लग रहे 380 दिन, 10 हजार से अधिक को न्याय का इंतजार

जबलपुर। मध्य प्रदेश में पाक्सो एक्ट के तहत दर्ज मामले गंभीर स्तर पर हैं, जहां 10 हजार से अधिक पीड़ितों को न्याय का इंतजार है। मामलों की लंबित संख्या 14 हजार से ऊपर पहुंच गई है, जिससे राज्य देश में लंबित मामलों में चौथे स्थान पर है। इन मामलों में ट्रायल पूरा होने में औसतन 380 दिन लग रहे हैं, जबकि सजा की दर सिर्फ 20.11 प्रतिशत है, जो चिंता का विषय है।

एमपी स्टेट बार काउंसिल के निवर्तमान चेयरमैन राधेलाल गुप्ता ने बताया कि हाई कोर्ट ने बढ़ते मामलों और लंबित अपीलों पर स्वतः संज्ञान लिया है। मामलों की गंभीरता को देखते हुए सुनवाई में द्रुतगति के दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। राज्य सरकार कानून के प्रति जागरूकता अभियान चला रही है। प्रदेश में 18 वर्ष से कम उम्र के पीड़ितों के यौन शोषण के मामलों से निपटने के लिए पाक्सो अधिनियम, 2012 के तहत सख्त कार्रवाई की जा रही है।

यह कानून लड़के और लड़की दोनों पर समान रूप से लागू

दरअसल, पाक्सो एक्ट 2012 यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को यौन शोषण, उत्पीड़न और अश्लीलता से बचाने वाला एक विशेष भारतीय कानून है। यह बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देता है और गंभीर मामलों में उम्रकैद तथा भारी जुर्माने का प्रविधान करता है, जिसमें जल्द जांच और फास्ट-ट्रैक कोर्ट की सुनवाई शामिल है।

मेट्रो एंकर मुकेश अंबानी को छोड़ा पीछे, कुल नेटवर्थ 92.6 अरब डॉलर पार

भारत ही नहीं, एशिया के सबसे रईस बने अडानी

नई दिल्ली, एजेंसी

अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी ने एक बार फिर अपनी बादशाहत साबित की है। नेटवर्थ के मामले में उन्होंने न केवल भारत, बल्कि पूरे एशिया में नंबर-1 का स्थान हासिल कर लिया है। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के ताजा आंकड़ों के अनुसार, गौतम अडानी अब एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। उन्होंने रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी को पछाड़कर यह गौरव हासिल किया है। वर्तमान में गौतम अडानी की कुल नेटवर्थ 92.6 अरब डॉलर पहुंच गई है, जबकि मुकेश अंबानी 90.8 अरब डॉलर के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गए हैं।

एक दिन में अडानी की संपत्ति में बड़ा उछाल

गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार में भले ही मामूली गिरावट देखी गई और सेंसेक्स 123 अंक गिरकर बंद हुआ, लेकिन अडानी ग्रुप की कंपनियों के शेयरों ने शानदार प्रदर्शन किया। इस तेजी की बदौलत अडानी की नेटवर्थ में एक ही दिन में 3.56 अरब डॉलर का इजाफा हुआ। वहीं दूसरी ओर, रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर लगभग सपाट बंद हुए, जिससे मुकेश अंबानी की संपत्ति में मात्र 76.7 मिलियन डॉलर की ही बढ़ोतरी हो सकी।

दुनिया के टॉप-20 में अडानी की स्थिति

ग्लोबल लिस्ट की बात करें तो गौतम अडानी अब दुनिया के 19वें सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। इस साल उनकी संपत्ति में 8.10 अरब डॉलर की जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। इसके उलट, मुकेश अंबानी के लिए यह साल अब तक चुनौतीपूर्ण रहा है और उनकी नेटवर्थ में इस साल 16.9 अरब डॉलर की गिरावट आई है। अंबानी अब वैश्विक अमीरों की लिस्ट में 20वें पायदान पर हैं।

इन दिग्गजों ने भी गंवाई अपनी दौलत

हैरानी की बात यह है कि इस साल दुनिया के टॉप-20 अमीरों में से 7 दिग्गज ऐसे हैं जिनकी संपत्ति में गिरावट आई है। सबसे ज्यादा नुकसान फ्रांसीसी बिजनेसमैन बर्नार्ड आरनॉल्ट को हुआ है, जिन्होंने 44 अरब डॉलर गंवाए हैं। उनके अलावा वॉरेन बफे, बिल गेट्स और लैरी एलिसन जैसे दिग्गजों की नेटवर्थ भी साल 2026 में कम हुई है।

दिल्ली के नरेला में जूता फैक्ट्री में आग, दमकल की 17 गाड़ियां काबू पाने में जुटी

दिल्ली। बाहरी दिल्ली में नरेला औद्योगिक क्षेत्र की जूता फैक्ट्री में शुक्रवार सुबह भीषण आग लग गई। इस घटना में अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नही है। दमकल विभाग के मुताबिक, सुबह 7:45 बजे आग लगने की सूचना मिली। अभी तक 17 गाड़ियों को मौके पर भेजा जा चुका है। स्थानीय पुलिस, राहत व बचाव कार्य के लिए कई टीम व कैट्स एम्बुलेंस मौके पर पहुंच गई हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564